कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | गुरुवार 13 फ़रवरी 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1281 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL–713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

2026 विधानसभा चुनाव से पहले ममता सरकार का आखिरी पूर्ण बजट

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (कोलकाता): ममता बनर्जी की सरकार ने बुधवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश किया. विधानसभा में बजट पेश करते हुए राज्य की वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सरकारी कर्मचारियों के लिए चार प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) की घोषणा की. इसके साथ ही 70 हजार आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को मोबाइल देने का भी ऐलान किया. चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बंगाल विधानसभा में 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ का बजट पेश किया.

चंद्रिमा ने कहा कि 1 अप्रैल से बढ़ी हुई दर पर डीए लागू किया जाएगा, परिणामस्वरूप, यह बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया. हालांकि बीजेपी ने इस बजट का विरोध किया और बजट में रोजगार का अवसर नहीं रहने का आरोप लगाते हुए बीजेपी विधायकों ने विधानसभा की कार्यवाही से

वाकआउट किया.

इस साल का बजट 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार का आखिरी 'पूर्ण बजट' है. हालांकि बजट में लक्ष्मी भंडार की राशि में इजाफा नहीं किया गया है, लेकिन घाटल मास्टर प्लान के लिए 500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है. यह प्रोजेक्ट अगले दो साल में समाप्त होगा.

टीएमसी ने राज्य बजट को लेकर सोशल साइट एक्स पर कहा कि सामाजिक कल्याण से लेकर आर्थिक विकास तक, वादों से लेकर कार्रवाई तक – 2025-26 के लिए पश्चिम बंगाल का विजन आकार ले रहा है! ममता बनर्जी के नेतृत्व में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने ऐसा बजट पेश किया, जो समाज के हर वर्ग को सशक्त करेगा.

बजट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्रीय बजट में चुनाव से पहले वादे किए गए, लेकिन चुनाव के बाद उन्हें छोड़ दिया गया. 100 दिनों का काम और आवास योजना के पैसे केंद्र सरकार ने रोक दिए हैं, लेकिन हम अपना वचन निभाते हैं. ममता बनर्जी ने कहा कि एक करोड़ छात्राओं को कन्याश्री योजना के तहत मदद दी गई है. ममता बनर्जी ने कहा कि 9 करोड़ परिवारों के लिए स्वास्थ्य साथी परियोजनाओं का लाभ मिल रहा है.

राज्य बजट में हुए ऐलान

अगले वित्तीय वर्ष में बांग्लार बाड़ी परियोजना (बंगाल आवास योजना) के अंतर्गत 16 लाख मकान बनाए जाएंगे. इसके लिए बजट में 9600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन प्रस्तावित है. पहले यह 14 हजार करोड़ था. परिणामस्वरूप, इस परियोजना के लिए कुल आवंटन लगभग 23 हजार करोड़ रुपए हो गया. बजट में कहा गया कि केंद्र सरकार ने आवास योजना के लिए धन देना बंद कर दिया है.

राज्य पथश्री परियोजना के तहत सड़कों का निर्माण जारी रहेगा. अगले वित्त वर्ष के लिए 1,500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त आवंटन किया गया है. 4.75 किलोमीटर लंबे गंगासागर पुल के लिए 500 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है. रिवर इंटरकनेक्शन नामक एक नई परियोजना विभिन्न नदियों और जल निकायों को जोड़कर रोजगार पैदा करने का वादा किया गया है. इस मद में 200 करोड़ रुपये आवंटित किया गया है.

बजट भाषण में राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में नदी कटाव को रोकने के लिए एक मास्टर प्लान की आवश्यकता है. इस मद में 200 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. पायलट परियोजनाएं शुरू की जाएंगी.

आशा-आंगनबाड़ीकर्मियों को मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं.

राज्य सरकार द्वारा डीए से अत्यधिक वंचित किए जाने का कड़ा विरोध करते हैं

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (खड़गपुर): हम, निम्नलिखित संगठन, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, डॉक्टरों, नर्सों, प्रोफेसरों, न्यायालय कर्मचारियों और विभिन्न डीए प्राप्तकर्ताओं की ओर से, आज के बजट में राज्य सरकार द्वारा डीए से अत्यधिक वंचित किए जाने का कड़ा विरोध करते हैं। यह 2026 के चुनावों से पहले अंतिम पूर्ण बजट था। राज्य के महंगाई भत्ते के लाभार्थियों को उम्मीद थी कि यह बजट, केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए महंगाई भत्ते की तुलना में राज्य में पहले से ही उत्पन्न 39% के अंतर को दूर करने का उपाय दर्शाएगा। क्योंकि इस राज्य द्वारा प्रदान किया जाने वाला महंगाई भत्ता अन्य सभी राज्यों की तुलना में कम है। लेकिन हम इस बात से बेहद नाराज हैं कि इस बजट में केवल 4% डीए का प्रस्ताव किया गया है। यहां नये वेतन आयोग के गठन का कोई उल्लेख नहीं है। जहां केंद्र सरकार पहले ही आठवें वेतन आयोग का गठन कर चुकी है। इसके बजाय, वेतन आयोग के बारे में कुछ भ्रामक बयान दिए गए।

हम देख रहे हैं कि केन्द्र और राज्य सरकारें मूल्य वृद्धि को रोकने में पूरी तरह से अप्रभावी हैं। परिणामस्वरूप, वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। परिणामस्वरूप, हमारे वेतन में लगातार कटौती की जा रही है। इसलिए जिस प्रकार हम इस जनविरोधी और कर्मचारी विरोधी बजट का पुरजोर विरोध करते हैं, उसी प्रकार हम सभी स्तरों पर डीए पाने वालों से भी आह्वान करते हैं कि वे हर जगह अपनी आवाज उठाएं, सिर्फ 4% नहीं, बल्कि एआईसीपीआई के अनुसार सभी एरियर सहित 39% डीए का तुरंत भुगतान करें और सातवें वेतन आयोग का गठन करें। इस मांग के आधार पर हम शीघ्र ही बीस से अधिक संगठनों की संयुक्त पहल से एक सतत कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं, जिसमें नीचे सूचीबद्ध संगठन भी शामिल हैं। नीलकंठ घोष, माध्यमिक शिक्षक एवं कर्मचारी संघ, आनंद हांडा, बंगाल प्राथमिक शिक्षक संघ, दीनबंधु विद्याभूषण, पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षक संघ, डॉ. सजल बिस्वास, सर्विस डॉक्टर्स फोरम, वासवती मुखर्जी, नर्सेज यूनिटी, मलय मुखर्जी, राज्य सरकारी कर्मचारी परिसंघ (इंटक), शुवेन्दु मुखर्जी, कलकत्ता विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ, सुभाशीष दास, पश्चिमबंग सरकारी कर्मचारी यूनियन (पीएसकेयू), समाचार रिपोर्टर-(शुभाशीष दास), महासचिव, पश्चिम बंगाल सरकारी कर्मचारी संघ (पीएसकेयू).

तृणमूल छोड़ अभिजीत शामिल हुए कांग्रेस में

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (कोलकाता): तृणमूल कांग्रेस का दामन छोड़कर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं. वे 2021 में टीएमसी में शामिल हुए थे. अब कांग्रेस पार्टी में लौट आए. औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में लौटने के बाद अभिजीत ने टीएमसी में शामिल होने को एक बड़ी गलती बताया.

इस बाबत कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि अभिजीत मुखर्जी पिछले एक साल से नेतृत्व और प्रदेश पीसीसी के संपर्क में थे. आज, यह निर्णय लिया गया है कि अभिजीत फिर से कांग्रेस में शामिल होंगे." पश्चिम बंगाल विधानसभा

चुनाव में टीएमसी के अकेले लड़ने पर उन्होंने कहा," कुछ अन्य दल भी थे जिन्होंने हाल ही में हुए चुनावों में अकेले चुनाव लड़ा था. कांग्रेस ने हमेशा अन्य सहयोगियों को जगह दी है, लेकिन जब अन्य दलों का गढ़ होता है, तो वे दूसरों को साथ लेने के लिए तैयार नहीं होते हैं. इस समय, कांग्रेस पार्टी पूरे पश्चिम बंगाल में अपने पैरों पर खड़ी होने की पूरी कोशिश कर रही है."

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने 2026 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है. बनर्जी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन से इनकार किया है. बंगाल के एक मंत्री ने कहा, "मुख्यमंत्री ने कहा है कि आप ने हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की मदद नहीं की और कांग्रेस ने दिल्ली चुनाव में आप की मदद नहीं की. उन्होंने कहा कि ऐसी बातें अस्वीकार्य हैं. बंगाल में कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है."

बालू लदे ट्रकों के मालिकों से मोटी रकम की मांग पर अनुमंडल प्रशासक को लिखित शिकायत

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (पुरुलिया): टीएमसी जिला सचिव स्वपन मेहता ने अनुमंडल भूमि एवं भूमि सुधार पदाधिकारी देव कुमार हलधर के खिलाफ रघुनाथपुर अनुमंडल प्रशासक को लिखित शिकायत सौंपी। श्री मेहता ने कहा कि विभाग के अधिकारी रात के अंधेरे में बालू लदे ट्रकों के मालिकों से ओवरलोड बताकर मोटी रकम की मांग कर रहे हैं। ऐसी शिकायतें मेरे पास आती रहती हैं। जब मैं यह शिकायत लेकर महकमा प्रशासनिक भूमि कार्यालय गया तो अधिकारियों ने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि जिनकी बालू गाड़ियां फंस गई थी, थोड़ी देर बाद छोड़ दी गई और हर गाड़ियों के मालिकों को फोन कर अपने कार्यालय में आने को कहा और बड़ी रकम की मांग की। इस संबंध में पूछे जाने पर अनुमंडल भूमि सुधार पदाधिकारी देव कुमार हलधर ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने पत्रकारों के साथ भी दुर्व्यवहार किया।

भाजपा सरकार ने महाकुंभ भगदड़ में मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई- ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महाकुंभ को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा. ममता बनर्जी ने कहा, 'बीजेपी सरकार का कहना है कि कुंभ में करोड़ों लोगों ने स्नान किया, लेकिन वहां पर श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं की गई.

ममता बनर्जी ने कहा, 'यूपी की बीजेपी सरकार ने महाकुंभ भगदड़ में मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई. भाजपा सरकार ने इतना प्रचार किया कि बड़ी संख्या में लोग महाकुंभ में पहुंचे, लेकिन वहां उचित व्यवस्था नहीं की गई.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के बजट को लेकर कहा, 'केंद्र की मोदी सरकार ने गंगासागर मेले के लिए फंड नहीं दिया. हमने गंगासागर सेतु पर बनने वाले 5 किमी लंबे पुल के लिए 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट आवंटित किया है.'

राज्य का बजट पेश होने के बाद ममता बनर्जी ने कहा, 'हमारा विजन साफ है, क्योंकि हम राज्य में रोजगार बढ़ाना चाहते हैं. ताजपुर में कुछ विवाद हैं जिन्हें वित्त मंत्रालय की तरफ से जल्द ही सुलझा लिया जाएगा.' उन्होंने कहा, 'दीघा में जगन्नाथ मंदिर बनकर तैयार हो गया है. 30 अप्रैल को मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा.

ममता ने कहा, केंद्र का बजट चुनाव आने पर एक तरह की बात करते हैं, वादे करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद वादे नहीं निभाते. हम लोग ऐसा नहीं करते हैं, हमारा बजट जो परमिट करता है करते हैं.

राज्य का जीएसटी केंद्र ले जाता है, रुपये नहीं देता है. 28 लाख परिवारों को घर देने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ रहा है. 50 हजार करोड़ हम लक्ष्मी भंडार में दे रहे हैं. भाजपा कई राज्यों में हमारी देखादेखी देती है फिर बंद कर देती है, शर्तें लगा देती है.

महिला द्वारा करोड़ों रुपए के गबन का आरोप, थाना के सामने प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (पुरुलिया): रघुनाथपुर नगरपालिका के वार्ड 7 अंतर्गत एक महिला द्वारा करोड़ों रुपए के गबन के आरोप को लेकर करीब 150 महिलाओं ने बुधवार को रघुनाथपुर थाना के मूलगेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार महिलाओं ने शिकायत की कि एक महिला ने उन्हें बरगलाकर उनके हस्ताक्षर करवा पैसे ले लिए हैं तथा महिलाओं से कहा कि उन्हें कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। लेकिन देखा गया है कि विभिन्न बैंकों से लोग आकर अब इन महिलाओं को कर्ज चुकाने के लिए कह रहे हैं। जिससे उनके माथे पर बल पड़ गए हैं। उसके बाद देखा गया है कि इन्हें भूल समझाकर पैसे लेने वाली उक्त महिला अपने घर में ताला बंद करके भाग गई है।

ऐसे में ये महिलाएं वार्ड 7 के भाजपा पार्षद दिनेश शुक्ला के पास पहुंचीं और घटना बताई। अंत में उन्होंने महिला की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रघुनाथपुर पुलिस थाने पर प्रदर्शन किया। और बुधवार को उन्होंने थाने में इसकी लिखित शिकायत की। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा, "हमें नहीं पता कि अब क्या करना है। हम किसी भी तरह से धन नहीं जुटा सकते।

भाजपा नेता दिनेश शुक्ला ने कहा, "हमें इस मामले की जानकारी बाद में मिली और तब हमने देखा कि वह महिला घर में ताला बंद कर भाग गई। मैं चाहता हूं कि इन गरीब महिलाओं को बैंक द्वारा परेशान न किया जाए।" पुलिस ने बाकी महिलाओं को प्रदर्शन समाप्त करने के लिए राजी कर लिया प्रदर्शन समाप्त करवाया।

सियालदह स्टेशन पर नैहाटी लोकल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (कोलकाता): कूचबिहार रेल हादसे के 24 घंटे के अंतराल में एक और रेल हादसा सामने आया है। बुधवार को सियालदह स्टेशन पर नैहाटी लोकल में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस घटना के बाद यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। सूत्रों के अनुसार, ट्रेन तड़के 4:08 बजे सियालदह स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-5 पर आप नैहाटी लोकल रुकी थी। उसी समय अचानक ट्रेन के पहले डिब्बे में आग लग गई। आग की लपटें देख स्टेशन परिसर में हंगामा मच गया। खतरे से बचने के लिए तुरंत बिजली काट दी गई। ट्रेन को कार शेड में ले जाया गया। नैहाटी के लिए पहली ट्रेन वैकल्पिक रेक के साथ सियालदह से शाम 4:19 बजे रवाना हुई। चूंकि सुबह ट्रेन में कोई यात्री नहीं था जिसकी वजह से बड़ा हादसा टल गया। घटना के संबंध में सियालदह डिवीजन के जनसंपर्क अधिकारी एकलव्य चक्रवर्ती ने बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या पांच पर एक रेक लगाया गया था। सुबह 4:08 बजे, रेक के पीछे (सियालदह की ओर) पेंटोग्राफ पर आग की लपटें और धुआं देखा गया। इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कर गाड़ी को कारशेड में ले जाया गया। घटना के दौरान सुबह 4:08 बजे से 4:19 बजे तक प्लेटफार्म नंबर-5 से कोई भी ट्रेन नहीं गुजरी। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कूचबिहार में एक रेल दुर्घटना घटित हुई। बामनहाट रेलवे स्टेशन से रवाना होने से पहले इंजन बदलने का काम चल रहा था तभी अचानक एक इंजन खड़े ट्रेन की बोगी से टकरा गया जिससे तीन बोगी क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में दो बच्चों सहित कुल छह यात्री घायल हो गए थे।

कॉलेज की जमीन पर कब्जे का आरोप, हुई मापजोख

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत खड़गपुर के इंदा में चारदीवारी तोड़कर कॉलेज की जमीन पर कब्जा करने का आरोप पहले भी लगा था। उस जमीन को बचाने के लिए खड़गपुर कॉलेज भूमि और नयनजुली रक्षा समिति का गठन किया गया था।

कॉलेज अधिकारी भी भूमि को पुनः प्राप्त करने में सक्रिय थे। इस मुद्दे पर लगातार तनाव बढ़ रहा था। इस जमीन के निर्धारण में भूमि विभाग पर गड़बड़ी के आरोप लगाये गये थे।

समिति के लगातार संघर्ष के फलस्वरुप आखिरकार बुधवार को भूमि विभाग ने विवादित जमीन की मापजोख की। जिस पर फैसला 19 फरवरी को आने की संभावना है। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक कॉलेज की जमीन के निर्धारण का कार्य किया

जायेगा। उसके बाद हम नियमानुसार सुनवाई करेंगे। कॉलेज के अधिकारी सब कुछ जानते हैं।''

जमीन का निर्धारण करने के लिए विभिन्न स्तरों पर भूमि विभाग से बार- बार संवाद कर रहे थे। अंत में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (भूमि) से भी मुलाकात की। यह निर्णय लिया गया कि भूमि का निर्धारण ब्लॉक भूमि और भूमि विभाग की उपस्थिति में किया जाएगा। उसके बाद सुनवाई 19 फरवरी को होगी।

डेढ़ साल से शिकायत आ रही थी कि खड़गपुर कॉलेज की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है।

लंबे आंदोलन के बाद अनुमंडल प्रशासन के आदेश पर भूमि विभाग ने गत जुलाई में जमीन निर्धारण का काम शुरू किया। हालाँकि कॉलेज के अधिकारियों ने शिकायत की,

लेकिन ब्लॉक भूमि विभाग यह दावा करते हुए वापस आ गया कि उस भूमि में पानी और कीचड़ था। कॉलेज की भूमि को बचाने के लिए गठित नयनजुली रक्षा समिति ने आंदोलन जारी रखा। जिसमें ज्यादातर कॉलेज के पूर्व छात्र शामिल हैं। उन्होंने हार नहीं मानी। इस बार कॉलेज की मांग के अनुरूप जमीन निर्धारण का काम शुरू हो रहा है।

नयनजुली संरक्षण समिति के सचिव अनिल दास ने कहा कि इस भूमि को बचाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। जब तक हम जमीन वापस नहीं ले लेते तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

आसनसोल के हट्टन रोड में फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (आसनसोल): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर थाना में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस मौके पर यहां आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के तमाम बड़े अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने जानकारी दी की गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि आसनसोल के हाटन रोड इलाके में एक फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है।

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर थाना के प्रभारी के तत्वावधान में उसे कॉल सेंटर पर छापा मारा गया, वहां पर उस वक्त अच्छे लोग कानों में हेडफोन लगाकर

अमेरिका और कनाडा में ग्राहकों से बात कर रहे थे। उनसे पूछताछ में यह पता चला कि वह अमेरिका और कनाडा में ग्राहकों को फोन कर रहे हैं और उनको यह कहकर झांसा दे रहे हैं कि उनके कंप्यूटर में वायरस आ गया है। अगर सिस्टम को ठीक नहीं किया गया तो उनका कंप्यूटर सिस्टम डेड हो जाएगा। इसके बाद अन्य प्रकार से झांसा देकर उनसे पैसे वसूले जाते थे।

जांच में यह पता चला है कि अमेरिका की एक कंपनी सोल प्लेक्स के लिए काम करते थे। इस कंपनी द्वारा कुछ ग्राहकों को बेवकूफ बनाने की कोशिश की जाती थी। उनको यह बताया जाता था कि उनके कंप्यूटर में वायरस आ गया है और इसको ठीक करने के लिए उन्हें कुछ नंबर दिए जाते थे। यह उन्हें लोगों के नंबर है जिनका मंगलवार साइबर थाना की तरफ से गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार हुए सभी लोग आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के रहने वाले हैं।

इनके नाम सैयद रिजवी, अतहर अली आजम, मोहम्मद रिजवान , मुख्तार हुसैन, मोहम्मद निहाल, राजीव गुप्ता शमिल है। यह सभी लोग आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के रहने वाले हैं और जब यह ग्राहकों से बात करते थे तो यह अपने आप को अमेरिकी नागरिक बताया करते थे। इनके पास से कुछ हार्ड डिस्क और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बरामद हुए हैं।

ईसीएल इंटर एरिया एथलेटिक टूर्नामेंट का भव्य समापन, ईसीएल सतग्राम- श्रीपुर क्षेत्र की टीम रही ओवरऑल चैंपियन

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (जामुड़िया): ईसीएल के कुनुस्तोड़िया क्षेत्र के प्रगति स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय इंटर एरिया एथलेटिक टूर्नामेंट (2024-25) का भव्य समापन मंगलवार की देर शाम ईसीएल के निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

ग़ौरतलब है कि इस टूर्नामेंट में कंपनी मुख्यालय सहित इसके सभी क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र की टीम ओवरऑल चैंपियन रही, वहीं काजोड़ा क्षेत्र की टीम उपविजेता रही जबकि सर्वोत्कृष्ट खेल भावना का पुरस्कार कुनुस्तोड़िया क्षेत्र को प्राप्त हुआ। बेस्ट मेल एथलीट का पुरस्कार सौमिक दे (पांडवेश्वर क्षेत्र) ने जीता, वहीं बेस्ट फीमेल एथलीट का पुरस्कार डॉ॰ सुदेशना मंडल (सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र) ने हासिल किया।

विजयी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा ने कहा कि ईसीएल कोयला उत्पादन के साथ अन्य सकारात्मक गतिविधियों में भी उत्कृष्टता के साथ खड़ी है जिसमें खेलकूद की दिशा में भी हम हमेशा से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दो दिवसीय टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों ने संपूर्ण खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया और विजयी खिलाड़ियों को अनेक बधाई तथा अन्य सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ।

निदेशक (कार्मिक) के साथ ईसीएल मुख्यालय से महाप्रबंधक (कार्मिक) पुण्यदीप भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (वै. व यां.) सर्वेश कुमार, महाप्रबंधक (कल्याण) देबाशीष मुखर्जी, निदेशक (कार्मिक) के तकनीकी सचिव विवेक कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक) आशीष गोहे व उप प्रबंधक (कार्मिक) जी. गिरिधर विशिष्टता से उपस्थित रहे। इनके साथ कुनुस्तोड़िया के क्षेत्रीय महाप्रबंधक सुभाष चंद्र मित्रा के नेतृत्व में महाप्रबंधक (संचालन) अनंत घोष, सभी अभिकर्ता, कोलियरी प्रबंधक, विभागीय प्रधान, अधिकारी, कर्मचारी व यूनियन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उपस्थित सभी का स्वागत क्षेत्रीय महाप्रबंधक सुभाष चंद्र मित्रा ने किया और कहा कि आप सभी की उपस्थिति, विशेषकर निदेशक (कार्मिक) की महत्वपूर्ण उपस्थिति से यह समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। उपस्थित सभी के प्रति क्षेत्र के महाप्रबंधक (संचालन) अनंत घोष ने आभार व्यक्त किया।

ईसीएल के सीएमडी ने संध्या समय बंकोला क्षेत्र के नकाराकुंदा का किया दौरा

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (पांडवेश्वर): ईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सतीश झा ने संध्या समय बंकोला क्षेत्र के नकाराकुंदा कुमाडीह बी ओसीपी का दौरा किया, सीएमडी का स्वागत क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार साहू ने किया, सीएमडी ने ओबी हटाने में लगे ठेकेदारों के साथ एक समीक्षा बैठक किया, बैठक में ठेकेदारों को पीआर के अनुसार अधिक मशीनरी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, उन्होंने प्रबंधन को ओसीपी से उत्पादन बढ़ाने का भी निर्देश दिया, इसके बाद, बंकोला क्षेत्र के एरिया गेस्ट हाउस में एक मूल्यांकन सत्र आयोजित किया गया, जहाँ खनन से संबंधित मुद्दों और उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई, मूल्यांकन सत्र में सभी विभागो के प्रमुख सभी कोलियरियों के एजेंट, प्रबंधक और अन्य क्षेत्रों के भी अधिकारी भी उपस्थित थे.

पानी की समस्या के समाधान के लिए कुल्टी विधायक ने मेयर से अनुरोध किया

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (आसनसोल): कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या को लेकर कुल्टी के भाजपा विधायक डॉ. अजय पोद्दार ने आसनसोल नगरनिगम के मेयर विधान उपाध्याय से मेयर कार्यालय में मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने कुल्टी क्षेत्र के कुछ समस्याओं को लेकर विधान उपाध्याय से चर्चा की और उनके समाधान के लिए मेयर से अनुरोध किया, इसके साथ ही उन्होंने आने वाले गर्मी के मौसम को देखते हुए कुल्टी क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या को अभी से दूर करने के लिए प्रयास करने का भी अनुरोध किया.

इस दौरान मेयर विधान उपाध्याय ने उनकी बातों को गौर से सुना और आश्वासन दिया कि आसनसोल नगर निगम इन समस्याओं को दूर करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करेगा. उनके बीच यह चर्चा में तय हुआ कि आने वाले शुक्रवार को आसनसोल नगर निगम की एक टीम कुल्टी क्षेत्र का दौरा करेगी, इस दौरान कुल्टी के विधायक या उनके किसी प्रतिनिधि को साथ लेकर वहां पर जो भी समस्याएं हैं उनको दूर करने का प्रयास किया जाएगा,

इस बारे में जब हमने डॉक्टर अजय पोद्दार से बात की तो उन्होंने कहा कि आज मेयर विधान उपाध्याय से काफी सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हुई, उन्होंने आश्वासन दिया है कि कुल्टी क्षेत्र में जहा जहा पीने के पानी सहित अन्य समस्याओं को दूर करने के लिए नगर निगम पूरा प्रयास करेगा।

जिला शासक ने सिलिकोसिस बीमारी की रोकथाम को लेकर किया अहम बैठक

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (आसनसोल): पश्चिम बर्दवान जिला में सिलिकोसिस बीमारी की रोकथाम के लिए जिला अधिकारी एस पन्नाबलम की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में जिला अधिकारी के अलावा इस जिला के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी मोहम्मद शेख युनूस सहित पश्चिम बर्दवान जिला के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिन्होंने इस बैठक में आए विभिन्न कारखाना प्रबंधन के अधिकारियों को सिलिकोसिस बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस बैठक में पश्चिम बर्दवान जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आए स्पंज आयरन कारखाना के प्रतिनिधि, इस्को, डीवीसी, डीएसपी के अधिकारी उपस्थित थे।

वहीं विभिन्न रिफ्रैक्ट्री और ब्रिक फील्ड के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सिलिकोसिस के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इस बैठक में पश्चिम बर्दवान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए स्पंज आयरन कारखाना के प्रतिनिधि, इस्को, डीवीसी, डीएसपी के अधिकारी उपस्थित थे। इस बारे में पत्रकारों से बात करते हुए जिला अधिकारी एस पन्नाबलम ने कहा कि पश्चिम बर्दवान जिला में सिलिकोसिस की बीमारी की रोकथाम के लिए आज एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। जहां पर इस जिला के विभिन्न क्षेत्रों के कारखाना प्रबंधन से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

वहीं राष्ट्रीय संस्थान जैसे सेल, डीवीसी, डीएसपी के अधिकारी भी यहां पर मौजूद थे। इन सभी को सिलिकोसिस के बारे में जानकारी दी गई और किस तरह से इसकी रोकथाम की जाए। इस पर भी जागरूक किया गया।

वहीं जिला के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि सिलिकोसिस की बीमारी की रोकथाम के लिए आज विभिन्न कारखाना प्रबंधन के अधिकारियों को पश्चिम बर्दवान जिला प्रशासन की तरफ से जागरूक किया गया और किस तरह से इसे रोका जा सकता है। इसकी जानकारी दी गई।

मेजिया थर्मल पावर प्लांट में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

शुवेन्दु लायेक

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (बाँकुड़ा): डीवीसी के मेजिया थर्मल पावर प्रोजेक्ट के अस्पताल प्राधिकरण एवं एमटीपीएस सीएसआर विभाग की संयुक्त पहल पर नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी के लिए शिविर लगाया गया। इस दिन क्षेत्र के 372 जरूरतमंद लोगों ने सीएसआर कैंप कार्यालय में अपनी आंखों की जांच कराई। पुरुलिया जिले के रामचंद्रपुर नेताजी नेत्र अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया। 372 मरीजों में से 175 मरीजों में मोतियाबिंद का निदान किया गया।

एमटीपीएस सीएसआर विभाग के डीजीएम अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि ऑपरेशन नेताजी नेत्र अस्पताल में किया जाएगा। डीवीसी प्रत्येक मरीज को अपने वाहन से अस्पताल ले जाएगा और ऑपरेशन के बाद उन्हें वापस घर ले जाएगा।

सीएसआर विभाग के कार्यकारी राजीव रंजन ने बताया कि इसके अलावा मरीजों को एमटीपीएस अस्पताल की ओर से आवश्यक दवाएं और चश्मा भी मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा।

इस नेत्र शिविर का उद्घाटन आज साल्टोरा से भाजपा विधायक चंदना बाउरी ने किया।

इस अवसर पर एमटीपीएस के मुख्य महाप्रबंधक व परियोजना प्रमुख प्रद्युम्न प्रसाद शाह, वरीय महाप्रबंधक आरके अनुभव, मानव संसाधन विकास विभाग के वरीय मुख्य महाप्रबंधक रंजीत कुमार रजक, एमटीपीएस अस्पताल अधीक्षक दिव्य सुंदर मंडल व नेताजी नेत्र अस्पताल के चिकित्सक डॉ. एचआर घोष उपस्थित थे।

वहीं, विधायक चंदना बाउरी ने कहा कि हालांकि वे एक जनप्रतिनिधि के रूप में डीवीसी के एमटीपीएस सीएसआर विभाग द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों से खुश हैं, लेकिन आम लोगों की जरूरतों के अनुसार काम की कई मांगें हैं। उन्होंने संगठन से कई काम करने का अनुरोध किया, जैसे कि क्षेत्र के गांवों में स्ट्रीट लाइट लगाना, डीवीसी द्वारा बनाई गई कुछ गड्ढों वाली सड़कों की मरम्मत करना और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षेत्र में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के बुनियादी ढांचे का विकास करना।

आसनसोल शहर को जाम मुक्त करने को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (आसनसोल): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के ट्रैफिक विभाग की ओर से लगातार शहर को जाम मुक्त करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार एसीपी ट्रैफिक विश्वजीत साहा के नेतृत्व में एक बड़ी पुलिस टीम द्वारा आसनसोल के हाटन रोड से और राहा लेन तक अभियान चलाया गया और जहां कहीं भी रोड के किनारे पार्किंग से बाहर दो पहिया वाहन खड़े दिखे उन पर कार्रवाई की गई। अगर दोपहिया वाहन के मालिक अपने वाहन के आसपास थे तो उन्हें अपने वाहन को रोड के किनारे से हटकर पार्किंग में लगाने के हिदायत दे गई और अगर दो पहिया वाहन का मालिक अपने वाहन के आसपास नहीं दिख तो उस वाहन में कांटा लाक लगा दिया गया।

पुलिस सूत्र के अनुसार आसनसोल को जाम मुक्त कराने के लिए ट्रैफिक विभाग की तरफ से लगातार यह अभियान चलाया जाएगा और आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के विभिन्न इलाकों में समय-समय पर इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। ताकि कोई भी पार्किंग के अलावा अन्य किसी स्थान पर वाहन खड़ी न करें जिससे शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा न हो.

श्री शनि मंदिर में श्री श्री श्याम पित्तरजी महोत्सव का भव्य आयोजन

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (रानीगंज): रानीगंज एनएसबी रोड स्थित श्री शनि मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय श्री श्री श्याम पित्तरजी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखंड ज्योत प्रज्वलन,शिव चर्चा और भजन संकीर्तन के साथ भक्तों ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर में आगमन शुरू हो गया।

भक्तों ने श्री श्याम पित्तरजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया था, जिससे भक्तिमय माहौल बना रहा। इस पावन अवसर मंदिर के पुजारी मातादिन शर्मा, राजू शर्मा, अमित शर्मा, कृष्णा शर्मा, आदित्य शर्मा समेत शर्मा परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर मंदिर पुजारी मातादिन शर्मा ने कहा की हर साल की तरह इस वर्ष भी श्याम पित्तरजी महोत्सव मनाया गया,मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी,भजन-कीर्तन और अखंड ज्योत के माध्यम से भक्तों ने अपनी श्रद्धा व्यक्त की और ईश्वर से सभी के सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इस मौके पर मंदिर का वातावरण अत्यंत भक्तिमय था।

रानीगंज स्टेशन पर 13 व्यक्तियों की क्षमता वाली नई लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (आसनसोल): यात्रियों के सुविधा और सुगमता में वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने रानीगंज स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नंबर 04 पर 13 व्यक्तियों की क्षमता वाली एक नई लिफ्ट लगाने की घोषणा की है। यह अतिरिक्त लिफ्ट सेवा सभी यात्रियों के लिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें दिव्यांगजनों की ज़रूरतों को पूरा करने पर विशेष ज़ोर दिया गया है।

प्लेटफ़ॉर्म तक सुगम और आरामदायक सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नई लिफ्ट को डिज़ाइन किया गया है, जिससे चलने से संबंधी समस्याओं वाले यात्रियों के सामने आने वाली चुनौतियों में काफ़ी कमी आएगी। दिव्यांग यात्री, वरिष्ठ नागरिक और भारी सामान वहन करने वाले यात्री अब आसानी से स्टेशन पर आ-जा सकेंगे, जिससे उनकी समग्र यात्रा का अनुभव बेहतर होगा। इसके अतिरिक्त, लिफ्ट में एक स्वचालित बचाव उपकरण (एआरडी) लगा है, जो बिजली की विफलता की स्थिति में लिफ्ट को स्वचालित रूप से निकटतम मंजिल पर ले जाकर यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करता है।

यह पहल पूर्व रेलवे के अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएँ प्रदान करने के चल रहे प्रयासों के अनुरूप है। सुलभता को प्राथमिकता देकर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल का लक्ष्य अधिक समावेशी वातावरण बनाना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक यात्री, चाहे उनकी शारीरिक क्षमताएँ कुछ भी हों, गरिमा और सुविधा के साथ यात्रा कर सकें।

यात्रियों ने इस विचारशील संवर्धन के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की है और उनके दैनिक आवागमन पर इसके सकारात्मक प्रभाव को उजागर किया है। लिफ्ट अब चालू है और रानीगंज स्टेशन पर सभी यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

सड़क दुर्घटना में ईसीएल कर्मी की मौत

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (रानीगंज): राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर रानीगंज थाना क्षेत्र के मंगलपुर इलाके में बुधवार की शाम सड़क दुर्घटना में एक ईसीएल कर्मी की मौत हो गयी. मृतक कुनुस्तोडिया क्षेत्र के बांसरा कोलियरी में काम करता था और काम खत्म करने के बाद दुर्घटना के समय वह सलानपुर स्थित अपने घर लौट रहा था। मृतक ईसीएल कर्मी की पहचान सुकांत गोरदाई के रूप में हुई है। दुर्घटना के कारण, कैसे और क्यों हुई, इस पर संशय बना हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में उसे आसनसोल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरी ओर, ईसीएल कर्मी की मौत के बाद परिवार को उचित मुआवजा व नियोजन सुनिश्चित करने के लिए श्रमिक संगठनों ने बांसड़ा कोलियरी अधिकारियों के साथ बैठक की है।

तृणमूल ने स्कूल प्रबंधन समिति का चुनाव निर्विरोध जीता

शुवेन्दु लायेक

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (बाँकुड़ा): तृणमूल कांग्रेस ने मेजिया प्रखंड के तेघरिया हाई स्कूल के स्कूल प्रबंधन समिति चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की। स्कूल की प्रबंधन समिति में कुल सीटों की संख्या छह है। इन सभी में तृणमूल कांग्रेस द्वारा नामित छह उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए, क्योंकि विपक्षी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार मैदान में उतारने में असमर्थ रहे। हालाँकि, तृणमूल के नेतृत्व वाला बोर्ड 2008 से इस स्कूल का संचालन कर रहा है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने निर्विरोध जीत के बाद होली का त्योहार मनाया।

पार्षद और राशन डीलर के बिच आरोप-प्रत्यारोप जारी

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (नियामतपुर): कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के 59 नंबर वार्ड अंतर्गत मोची पाड़ा के समीप स्थित सरकारी राशन दुकान के डीलर रोहित बालोदिया पर राशन वजन में कम देने के आरोप लगाते हुए लाभुको द्वारा हंगामा किया गया था. जहाँ डीलर ने आरोप लगाया था कि स्थानीय तृणमूल पार्षद जाकिर हुसैन के भाई सगीर हुसैन ने अपने समर्थकों के साथ उसकी पिटाई की है.

इसे लेकर कुल्टी विधानसभा ब्लॉक के राशन डीलर एसोसिएशन द्वारा रविवार तक विधानसभा क्षेत्र के सभी राशन दुकान को बंद कर अपना विरोध पदर्शन किया गया। वहीं एक ऑडियो भी वायरल हुआ है जिसमें पार्षद जकिर हुसैन और राशन डीलर के बीच कुछ लेन देन की बात हो रही हैं, जिसमे बादल नामक व्यक्ति का नाम आ रहा, जो कि तृणमूल के पार्षद हैं. उसे भी चंदा देने की बात कही जा रही हैं, हालाँकि इसकी पुष्टि हम नहीं करते, बल्कि रोहित बालोदिया ने स्वीकार किया है कि यह ऑडियो में मेरी बात तृणमूल पार्षद जाकिर हुसैन से हो रही हैं।

वहीं इस विषय में एम शॉप कुल्टी ब्लॉक अध्यक्ष सरवन गोयल ने कहा कि राशन डीलर रोहित बालोदिया के साथ पार्षद जाकिर हुसैन के छोटे भाई अपने समर्थकों के साथ राशन कम देने का आरोप लगाते हुए मारपीट किया, जो कि कानूनन ठीक नहीं हैं, अगर कोई डीलर किसी भी कार्ड धारक को कम राशन देता है तो घटना स्थल में ही वजन की जांच कर राशन ले, अगर वह वजन कम देता हैं तो राशनिंग विभाग, संबंधित अधिकारी या पुलिस को सूचित करे, इस प्रकार किसी पर राशन कम देने का आरोप लगा कर उसके साथ मारपीट करना यह अनुचित है। जिसका हम विरोध करते हैं।

वहीं उन्होंने कहा कि डीलर के साथ मारपीट की शिकायत हम लोगों द्वारा आसनसोल नगरनिगम के मेयर विधान उपाध्याय, डिपुटी पुलिस कमिश्नर (वेस्ट जोन), कुल्टी थाना सहित संबंधित अधिकारियों को भी की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी गई राशन जनता को भी जरूर दिया जाएगा। वहीं आगे की रणनीति सब-डिवीजन संगठन की ओर से जो निर्णय लिया जाए हम वहीं करेंगे।

रोहित बालोदिया ने कहा कि उसने किसी प्रकार की वजन में हेरा फेरी नहीं की है, एक व्यक्ति राशन ले जाने के एक डेढ़ घंटे बाद घर से आकर कहता हैं कि राशन का वजन कम है, ये मानने योग नहीं हैं, उसी पर पार्षद के भाई सगीर द्वारा अपने समर्थकों के साथ मेरे साथ मारपीट की गई। कहा कि मेरे पास और भी सबूत हैं जो कानूनी सलाह लेने पर प्रकाशित करूँगा। साथ ही कहा कि मेरे ऊपर हमला का जल्द ही थाने में लिखित प्राथमिकी दर्ज कराऊंगा।

पार्षद जाकिर हुसैन ने कहा कि एक व्यक्ति मोहम्मद यूनिस को वजन में राशन कम देने की शिकायत में मेरा छोटा भाई शाकिर गया था। कोई मार पीट नहीं हुई हैं,

परन्तु उन्होंने धक्का मुक्की की बात स्वीकार किया है। वहीं ऑडियो पर कहा कि रोहित से मेरा कोई बात इस प्रकार का नहीं हुआ हैं ऑडियो को एडिट कर मुझे बदनाम किया जा रहा हैं। साथ ही कहा कि मैं पार्षद के साथ एक व्यवसायी भी हूं और मेरे द्वारा कई निःशुल्क संस्थाये चलाई जती है।

आज का राशिफल

12 फ़रवरी 2025
बुधवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन अच्छा रहेगा। कुछ शानदार समय बच्चों के साथ बीतेगा। व्यापार के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिल सकता है। नौकरी मे प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। सेहत ठीक रहेगी।

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा। आशावादी बनें। आपका विश्वास आशाओं के लिए नए द्वार खोलेगा। आय के नए- नए स्रोत प्राप्त हों सकते है। वाणी और क्रोद्ध पर नियंत्रण अवश्य रखे। जीवनसाथ के साथ संबंधो मधुर बनेगे। स्वास्थ्य का ख्याल रखे।

मिथुन
दिन मिलाजुला रहेगा. भविष्य को देखते हुए काम करें। यात्रा पर जा सकते हैं। कर्ज से मुक्ति मिलने के योग हैं। नौकरी में प्रमोशन मिलेगा। निवेश से पहले सोच-विचार कर लें। पारिवारिक विवाद की समस्या का समाधान मिलेगा।

कर्क
दिन सामान्य रहेगा. नौकरी मे सावधान रहने की जरूरत है। छात्रों के लिए दिन थोड़ा निराशाजनक रहेगा। जरूरतमंद की मदद करें। आपकी परेशानी दूर हो जाएगी। आप खुद को तनाव मुक्त महसूस करेंगे। स्वास्थ्य पहले बेहतर रहेगा।

सिंह
दिन अच्छा रहेगा। व्यस्तता के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी. लंबी अवधि के निवेश से बचें। दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताएं। लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दुखी कर सकता है। कोई भी नया प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले जांच ले।

कन्या
दिन बढ़िया रहेगा। यात्रा आरामदायक रहेगी. आमदनी बढ़ने की उम्मीद है, कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। शत्रु भयभीत रहेगा। आपका स्वास्थ्य और ऊर्जा का स्तर आपके काम में आपका साथ नहीं देगा। दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएंगे।

तुला
दिन खुशियों से भरा रहेगा. कई जिम्मेदारियां पूरी होंगी। अपनी मेहनत के कारण सफलता मिलने की संभावना है। दूसरों के प्रति रवैया उदार रहेगा। व्यापार और नौकरी में कुछ सोचे हुए काम पूरे करने से आपको खुशी मिल सकती है।

वृश्चिक
दिन अनुकूल नहीं रहेगा। आपको अतिरिक्त आराम की जरूरत होगी. बड़ी योजनाओं और विचारों से कोई आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। निवेश करने से पहले जांच-पड़ताल कर लें। आज पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

धनु
दिन बढ़िया रहेगा। कामकाज में सुधार होगा. ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो बिना सोचे समझे कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगी। किसी काम की सीमा निर्धारित करें। खुद पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी के बीच विवाद हो सकता है।

मकर
दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आप जो काम करें उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। कई लोग आपकी मदद ले सकते हैं। लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक सलाह दें। सबके साथ प्रेम से पेश आये। परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलता रहेगा।

कुंभ
दिन मिलाजुला रहेगा। अत्यधिक तनाव और चिंता करने की आदत स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है. यात्रा आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। प्रेम संबंधों में मिठास आयेगी।

मीन
दिन बढ़िया रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी. शुभ समाचार मिलेगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। किसी बात को लेकर मन में अधीरता रहेगी। व्यापार में लाभ के योग हैं। अच्छी स्थितियां बन सकती हैं। मित्रों से व्यापार में लाभ होगा।

झारखंड में बिना कारण म्यूटेशन का आवेदन रिजेक्ट करने वाले सीओ पर होगी सख्त कार्रवाई

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): रांची/ झारखंड में बिना वजह के म्यूटेशन आवेदन रिजेक्ट करने वाले अंचलाधिकारी नप जाएंगे.भू राजस्व विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अंचलों में केवल तकनीकी कारणों का हवाला देकर म्यूटेशन का आवेदन रिजेक्ट नहीं किया जा सकता, यदि कोई अधिकारी ऐसा करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा.

मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि जब बात म्यूटेशन की हो तो उम्मीद है कि अधिकारी ईमानदारी से काम करेंगे. गौरतलब है कि अंचल कार्यालयों में म्यूटेशन के नाम पर करप्शन की कई

शिकायतें सामने आती है, मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि कई बार तकनीकी कारणों से झारभूमि साइट नहीं खुलने का हवाला देकर अंचलाधिकारी म्यूटेशन का आवेदन रिजेक्ट कर देते हैं. ऐसा नहीं चलेगा,

उन्होंने कहा कि यदि कोई म्यूटेशन का आवेदन रद्द किया जाता है तो अंचलाधिकारी को 50 शब्दों में इसका स्पष्ट कारण भी बताना होगा. उन्होंने कहा कि मॉडर्न रिकॉर्ड रूम से खतियान निकालने पर सही छपाई नहीं होती है. खतियान फोटो कॉपी में नहीं दिखता. स्पष्ट स्कैनिंग नहीं होने से रैयतों को अपनी जमीन की सही जानकारी नहीं मिल पाती इससे परेशानी होती है,

मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि मॉडर्न रिकॉर्ड रूम में कैथी और बांग्ला में लिखे खतियान को ट्रांसलेट करने की सुविधा होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि म्यूटेशन की प्रक्रिया में आने वाली तमाम विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए ,

गौरतलब है कि झारखंड के तमाम अंचल कार्यालयों में म्यूटेशन के नाम पर करप्शन के मामले सामने आए हैं. म्यूटेशन कराने आए रैयतों से रिश्वत मांगी जाती है. हाल ही में पलामू के मोहम्मदगंज अंचल कार्यालय में उप राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार का एक महिला से 10,000 रुपये लेते हुए वीडियो वायरल हुआ था, इससे पहले रांची सदर अंचलाधिकारी मुंशीराम को गिरफ्तार किया गया था।

स्टेट टॉपर बने धनबाद के अभिमन्यु टिबड़ेवाल, आईआईटी बॉम्बे से करना चाहते हैं बीटेक

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): एनटीए ने मंगलवार को जेईई मेन-2025 सेशन-1 का रिजल्ट जारी कर दिया. जेईई मेन में अभिमन्यु टिबड़ेवाल 99.99 परसेंटाइल के साथ स्टेट टॉपर बने हैं. वे आईआईटी बॉम्बे से बीटेक करना चाहते हैं. रांची-एनटीए की ओर से मंगलवार को जेईई मेन-2025 सेशन-1 का रिजल्ट जारी कर दिया गया. राजधानी रांची समेत झारखंड के विद्यार्थियों ने परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है. अब तक मिली जानकारी के अनुसार, अभिमन्यु टिबड़ेवाल को 99.99 परसेंटाइल मिले हैं. वह झारखंड के टॉपर हैं. वे आईआईटी बॉम्बे से बीटेक करना चाहते हैं. यश कुमार और साहिल आकाश को 99.98 परसेंटाइल मिले हैं. इसके अलावा लवण्या भाष्कर को 99.73, अर्णव पांडेय को 99.94 और विनेश को 99.93 परसेंटाइल मिले हैं. लवण्या भाष्कर गढ़वा की

रहनेवाली हैं. धनबाद के आदित्य मिश्रा को 99.933 परसेंटाइल मिले हैं, जबकि विशेष को 99.23 परसेंटाइल मिले हैं.

जेईई मेन-2025 की परीक्षा 22, 23, 24, 28 और 29 जनवरी तक दो पालियों में आयोजित की गयी थी. इसके लिए रांची में तीन परीक्षा केंद्र बनाये गये थे. इन केंद्रों पर करीब 10 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी. परीक्षा के बाद एनटीए की ओर से उत्तर कुंजी जारी कर आपत्ति मांगी गयी थी. आपत्ति निराकरण के बाद फाइनल रिजल्ट जारी किया गया है. सोर्स न्यूज़ फास्ट ।

मोंटफोर्ट एकेडमी, राजगंज के छात्र अभिमन्यु टिबरेवाल ने जेईई मेन में 99.996 परसेंटाइल स्कोर करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है. अभिमन्यु ने इस स्कोर के साथ राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा टॉपर्स की सूची में अभिमन्यु को 22वें स्थान पर रखा गया है. उसने 10वीं तक की पढ़ाई धनबाद पब्लिक स्कूल, हीरक ब्रांच से की थी. 10वीं बोर्ड में उसे 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए थे. अभिमन्यु अपने माता-पिता के साथ एलसी रोड स्थित गार्डेन सिटी अपार्टमेंट में रहते हैं. उनके पिता अमित टिबरेवाल व्यवसायी हैं, जबकि मां पूनम टिबरेवाल गृहिणी हैं. वे आईआईटी बॉम्बे से बीटेक करना चाहते हैं,

नारीवाद, अनुवाद संबंधी विचार और आलोचनात्मक पद्धतियों पर आईआईटी आईएसएम में विचार - विमर्श किया

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): आईआईटी आईएसएम धनबाद ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिष्ठित जीआईएएन कार्यक्रम के तहत आधुनिक आलोचनात्मक परंपरा में महिला लेखिकाएँ और विचारक विषय पर एक विचारोत्तेजक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 10 से 14 फरवरी तक आयोजित की गई थी और इसका संचालन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रो. रजनी सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में दुनियाभर के प्रख्यात विद्वानों ने नारीवाद, अनुवाद संबंधी विचार और आलोचनात्मक पद्धतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

प्रमुख वक्ताओं में प्रो. मेना मित्रानो का सीए फोसकारी यूनिवर्सिटी अविनाश वेनेस वेनिस प्रो. रश्मि गौड़ आईआईटी रुड़की और प्रो. रजनी सिंह शामिल थीं, जिन्होंने आधुनिक आलोचनात्मक परंपराओं और नारीवादी चिंतन पर गहन बौद्धिक संवाद में भाग लिया।

जीआईएएन पाठ्यक्रम के दूसरे दिन, प्रो. रजनी सिंह ने गर्ट्रूड स्टीन और महिलाओं की आलोचनात्मक सोच में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि स्टीन ने आधुनिक आलोचनात्मक परंपरा में एक केंद्रीय भूमिका निभाई और अपने नवाचारपूर्ण लेखन और दार्शनिक विचारों के माध्यम से आधुनिकतावादी साहित्य को प्रभावित किया। इस चर्चा में स्टीन की नारीवादी विचारधारा और आधुनिकतावादी साहित्य में उनकी विरासत को उजागर किया गया। उनके सत्र में दलित महिला लेखिकाओं और दलित नारीवादी ज्ञानमीमांसा (एपिसटेमोलॉजी) पर चर्चा की गई, जिसमें प्रतिनिधित्व, शक्ति संरचनाएँ और ज्ञान उत्पादन जैसे विषयों का विश्लेषण किया गया। इस व्याख्यान में मानवता की विवादित परिभाषा, गायत्री चक्रवर्ती स्पिवाक की दलित प्रतिनिधित्व पर आलोचना और सैंड्रा हार्डिंग द्वारा ज्ञान में वस्तुनिष्ठता को चुनौती देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया। चर्चा में जाति और लिंग पदानुक्रम की संयुक्त रूप से उत्पीड़नकारी प्रकृति को रेखांकित किया गया और सामूहिक पहचान व एकजुटता की आवश्यकता पर जोर दिया गया। प्रो. सिंह ने इस विचार को बल दिया कि दलित संघर्ष को उनका संघर्ष नहीं बल्कि हमारा संघर्ष समझने की आवश्यकता है, और उत्पीड़न को चुनौती देने व स्वायत्तता स्थापित करने के लिए जीवन-लेखन और अंतर्विभागीय विश्लेषण को आवश्यक उपकरण बताया।व्याख्यानों के बाद इंटरैक्टिव ट्यूटोरियल आयोजित किए गए, जहाँ प्रतिभागियों ने चर्चा की, महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे और वक्ताओं से गहन उत्तर प्राप्त किए।

इस कार्यशाला का उद्देश्य मानविकी के भीतर होने वाले प्रमुख बदलावों की व्यापक समझ प्रदान करना था, जिसमें आलोचनात्मक चिंतन को केंद्रीय रूप में रखा गया। प्रतिभागियों को साहित्यिक आलोचना, आलोचनात्मक सिद्धांत और साहित्य सिद्धांत के शास्त्रीय ग्रंथों की व्याख्या, चर्चा और मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया गया, साथ ही उनकी अंतर्विभागीय प्रासंगिकता की भी खोज की गई।150 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, यह कार्यशाला सफलतापूर्वक अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सक्षम रही, जिससे प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों में लागू होने वाली आलोचनात्मक पद्धतियाँ सीखने, गहन शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करने और शोध क्षमता बढ़ाने का अवसर मिला। इस आयोजन ने आईआईटी आईएसएम धनबाद की अकादमिक उत्कृष्टता और भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में मानविकी और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः स्थापित किया।

सीएफएम संक्षिप्त

पिकनिक सह काव्य पाठ का अंजुमन ने किया आयोजन

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड, धनबाद शाखा ने निरसा विधानसभा क्षेत्र में पदाधिकारियों का चुनाव किया। वहीं, इस मौके पर धनबाद के मैथन डैम के तत्वावधान में नये साल के मौके पर पिकनिक सह काव्य पाठ का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्तार अहमद मुख्तार ने की और जियाउल हुसैन ने संचालन किया। सबसे पहले काव्य सभा का आगाज़ अब्दुल ख़ालिक़ ने नात पाक से बड़े ही अछूते अंदाज़ में किया। उसके बाद एक -एक करके आए हुए सभी कविगण ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब पसंद किया और सराहा। झरिया के डॉ. यूनुस फिरदौसी ने अपनी हास्य कविताओं से लोगों को खूब हंसाया। अफसुरदा 'हस्पुरवी' ने 'मेरी मां' शीर्षक से एक स्वतंत्र कविता (आज़ाद नज़्म) सुनाई, जिसने पूरी सभा को गंभीर बना दिया। शेरो-शायरी का कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे तक चलता रहा और श्रोता आनंद लेते रहे। मौके पर अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड धनबाद उपशाखा के निरसा विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे। अंत में, अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड धनबाद शाखा के अध्यक्ष सैयद मिफ्ताहुल आरिफिन रिज़्वी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ काव्य गोष्ठी के समापन का ऐलान किया।

महायज्ञ की पूर्णाहुति में उमड़ा भक्तों का सैलाब

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): श्रीश्री राम महायज्ञ बाघमारा के चिताहि धाम में अंतिम दिन बुधवार को पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पिछले 9 दिनों से चल रहे इस महायज्ञ में जहां हवन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ पहले दिन से जुटने लगी थी। वहीं यज्ञस्थल में कवी कुमार विशवास, प्रवचन में साध्वी जी, भोजपुरी गायक पवन सिंह, भोजपुरी गायिका शिल्पी राज, स्वाति मिश्रा के अलावा लिए देश के कई कोनों से आए संतों-महात्मा की टोली अपने मधुर वाणी से लोगों को भाव-विभोर करते रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रसिद्घ कलाकार शामिल हुए। जहां उन्होंने भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। जिसमें उन्होंने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर सभी का मनमोह लिया। श्रद्घालुओं ने सभी भजनों पर भक्तिभाव से नृत्य किया। कलाकारों ने भगवान भोलेनाथ, मां दुर्गा और भगवान श्रीराम की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की जोरदार प्रस्तुतियां दी। जिसे सभी ने सराहा। पूरा महोत्सव स्थल भक्तों की भीड़ से भरा था। भजनों का सिलसिला देर रात तक चलता रहा।यज्ञ के दौरान लगातार मंत्र के जाप से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। वहीं प्रति दिन विशाल भंडारा दोपहर 2 बजे से लेकर देर शाम तक अनवरत चलता रहा।यज्ञ की सफलता में मुख्य यजमान सांसद ढुलू महतो सपरिवार सहित बड़े संख्या में प्रभु श्रीराम भक्त /कार्यकर्त्ता लगे हुए थे। श्रीश्री राम महायज्ञ के अंतिम दिन भंडारें में करीब 50 हजार से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। लोगों का हुजूम इस कदर उमड़ा कि एक ओर लोग प्रसाद के लिए बैठ रहे थे तो दूसरी ओर उससे अधिक संख्या में श्रद्धालु कतारबद्ध होकर खड़े रहे। इस दौरान यज्ञ की व्यवस्था संभाल रहे स्वयंसेवक लोगों की सेवा में कोई कमी नहीं रहने देने की कोशिश में लगातार लगे हुए थे। महायज्ञ के अंतिम दिन हवन के लिए भी भक्तों की भारी भीड़ सुबह से ही यज्ञ मंडप में पहुंच चुकी थी। हर कोई मंडप का परिक्रमा करने आने वाले जयश्रीराम की जयघोष कर रहे थे। मुख्य आचार्य तथा विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार से पूरा माहौल राममय हो रहा था। महिला, पुरुष, बच्चे, युवक व युवतियों के ललाट पर चंदन, अष्टगंध तथा रोली लगा हुआ था। मुख्य यजमान सांसद ढुलू महतो, धर्मपत्नी सावित्री देवी ने पूजन, हवन के बाद महाआरती की। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो रहा था।हवन के बाद महाआरती कर यज्ञ की पूर्णाहुति की गई। इस महायज्ञ में पुलिस प्रशासन एवं कमेटि की ओर से भी चुस्त दुरूस्त व्यवस्था रही। आयोजन में पूरे समय स्वयं सेवक एवं पुलिस कर्मी डयूटी पर तैनात रहे जिनके द्वारा महायज्ञ में आने जाने वाले श्रद्घालुओं की सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। रात में और दिन में कमेटि के स्वयं सेवक व पुलिस की व्यवस्था काफी दुरुस्त रही।

टाटा एआईए ने 24वें स्थापना दिवस पर किया रक्तदान

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस द्वारा 24वें स्थापना दिवस के मौके पर टाटा एआईए, बोकारो के प्रांगण में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर ह्यूमैनिटी सेवियर्स के सहयोग से आयोजित किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्त एकत्रित किया गया।

शिविर में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रेड क्रॉस ब्लड बैंक, बोकारो द्वारा रक्त संग्रहीत किया गया ।

टाटा एआईए की शाखा प्रबंधक श्रीमती प्रीति कुमारी ने कहा कि टाटा एआईए जहां समाज को लाइफ इंश्योरेंस के माध्यम से कठिन और जटिल समय में आर्थिक सहयोग दे रही है

वहीं रक्तदान शिविर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को जीवन दान देने का भी कार्य कर रही है।

विश्व रिकार्ड धारक एवं ह्यूमैनिटी सेवियर्स के संस्थापक हरबंश सिंह सलूजा ने कहा कि टाटा एआईए हर वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित कर अपने सामाजिक दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रही है।

शिविर को सफल बनाने में टाटा एआईए के बिजनेस एसोसिएट मैनेजर संतोष कुमार, सतीश सिंह, अंशुमन सारंगी, गौरव राज, विनोद कुमार, सीत कुमार, रामदेव महतो, पिंटू राम, रमेश दुबे, जयप्रकाश, राकेश राय, दीपक कुमार, आनंद अग्रवाल, पूनित जेठवा एवं ह्यूमैनिटी सेवियर्स के प्रवीण कुमार, निकेश सिंह, मनीष केजरीवाल, चनप्रीत सिंह, तनवीर सिंह, भास्कर एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के जयप्रकाश द्विवेदी, राजकुमार सहित पूरी टीम का मुख्य रूप से सहयोग रहा।

अंत में हरबंश सिंह सलूजा ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस की शाखा प्रबंधक प्रीति कुमारी सहित सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया एवं इस नेक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

महाकुंभ से लौट रही महिला श्रद्धालुओं से भरी कार दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत, 7 घायल

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): हजारीबाग/ प्रयागराज में लगे महाकुंभ में स्नान करने के बाद रांची लौट रही श्रद्धालुओं से भरी एक कार हजारीबाग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. कार में सवार 3 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और 7 अन्य घायल हो गये. दुर्घटना हजारीबाग के चरही थाना क्षेत्र में बिरसा फुटबॉल मैदान के पास हुई. पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. सभी 7 घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. मृत 3 महिलाओं में 2 रांची और एक गुमला जिले की रहने वाली हैं. 7 घायल महिलाओं में 6 रांची की और एक लोहरदगा जिले की हैं.

भीषण दुर्घटना सोमवार (10 फरवरी 2025) को सुबह 6:30 बजे चरही में हुई. प्रयागराज से रांची लौट रही कार ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-33) पर बिरसा फुटबॉल मैदान के पास खड़े 2 ट्रकों में टक्कर मार दी. एक ट्रक का नंबर जेएच 01 बीजेड 9170 और दूसरे का जेएच 05 बीसी 7191 है. कार में सवार सभी श्रद्धालु आईटीआई हेहल के रहने वाले हैं. मरने

वालो में संजू देवी, सोनिया देवी, आशा देवी शामिल है.

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टाटा सुमो गोल्ड कार में ड्राइवर के अलावा 10 महिला श्रद्धालु सवार थीं. महाकुंभ स्नान करके सभी रांची लौट रहीं थीं. इसी दौरान रास्ते में कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. कार में सवार 3 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गयी. 7 अन्य महिलाएं घायल हो गयीं. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही चरही थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. हजारीबाग सदर अस्पताल में घायल महिला श्रद्धालुओं का चल रहा इलाज.

पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घायलों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया गया. मृतकों की पहचान संजू देवी पति जितेंद्र गोप. कांके के सोसो की रहने वाली सोनिया देवी और गुमला की रहने वाली आशा देवी के रूप में हुई है.

घायलों के नाम कांति देवी पति कामेश्वर गोप (रांची), असिता देवी पति रामेश्वर गोप (सेवाड़ी, मांडर, रांची), पुनीता देवी पति आशुतोष गोप (बुंडू, रांची), गुड़िया देवी पति राजेंद्र गोप (पंडरिया, भंडरा थाना, लोहरदगा), उमा देवी पति स्वर्गीय रामेश्वर मिश्रा (बजरा, रांची), रंजू देवी पति शैलेंद्र कुमार पाठक (रांची, बजरा) और ज्योति कांत पति उमाकांत (केरली पब्लिक स्कूल, बजरा, रांची) हैं ।

आयुष्मान योजना को लेकर हेमंत सरकार ले रही अव्यावहारिक फैसला- बाबूलाल मरांडी

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): रांची/ झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड की धरती से विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत की शुरुआत की थी. लेकिन अब झारखंड सरकार की एक अव्यावहारिक फैसले ने आमजनों के लिए समस्याएँ उत्पन्न कर दी है, बाबूलाल ने कहा है कि

आयुष्मान भारत के तहत झारखंड सरकार ने नया नियम जारी किया है, जिसमें केवल 50 बेड (शहरी) और 30 बेड (ग्रामीण) वाले निजी अस्पताल ही योजना में शामिल होंगे. इससे सैकड़ों छोटे अस्पताल बाहर हो जाएंगे, जिससे गरीब मरीजों को इलाज में दिक्कत होगी. खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां छोटे अस्पतालों पर निर्भरता ज्यादा है, मरीजों को महंगे और दूर के बड़े अस्पतालों में जाना पड़ेगा. इससे स्वास्थ्य सेवाएं गरीबों के लिए और सीमित हो जाएगी, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार करें और इसे तुरंत वापस लें,ताकि कोई भी व्यक्ति आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित न हो,

कहा कि अगर कहीं गड़बड़ी हो रही है, तो उसकी जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें. लेकिन ऐसा आदेश न दें जिससे किसी को आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित होना पड़े।

सिंदरी चेक पोस्ट अंबेडकर कॉलोनी में मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): बुधवार को सिंदरी चेक पोस्ट अंबेडकर कॉलोनी में संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष परेश चंद्र दास ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री इंद्र मोहन सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मोर्चा के जिला महामंत्री नरेंद्र हरि जी ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री तारा देवी बोकारो से आए प्रभारी प्रकाश दास, धनबाद जिला ग्रामीण महामंत्री मनोज मिश्रा, ग्रामीण जिला मंत्री प्रकाश बाउरी, एसटी मोर्चा झारखंड प्रदेश के शोध एवं नीति सह-संयोजक समीर बाउरी, एटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविश्वर मरांडी, एससी मोर्चा की जिला मंत्री चंद्रावती देवी सहित कई गणमान्य नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। वहीं अन्य प्रमुख अतिथियों में वरिष्ठ नेता विजय सिंह, अरविंद खत्री, राकेश तिवारी, चरण करवा, गणपति बाउरी, राघव तिवारी, रंजना शर्मा, अनिमा सिंह, चुमकी देवी, कुमार महतो, शिव प्रकाश, धनंजय सिंह, प्रदीप हाड़ी, प्रदीप कुमार, मनोज रजक, विजय दास आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा नेत्री तारा देवी के सौजन्य से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद लोगों के बीच 100 कंबलों का वितरण किया गया।

कार ने चार लोगों को रौंदा, खड़ी दो कारों में भी मारी टक्कर, 5 घायल

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): झरिया थाना क्षेत्र के उपर कुल्ली के पास तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला, यहां एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर मारकर भागने के दौरान कार ने सड़क पर पैदल चल रहे चार राहगीरों को धक्का मार दिया. इस में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है. इतने में भी कार नहीं रूकी और सड़क किनारे खड़ी दो कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी. घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गयी, इधर घटना के बाद सभी घायलों को झरिया के एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया. जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच में रेफर किया गया. घटना में घायल ऊपर कुली निवासी मोहम्मद मंजूर का 12 वर्षीय पुत्र बिट्टू गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है, जानकारी के अनुसार, बिट्टू को बेहतर इलाज के लिए रांची के हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है, वहीं घटना के बाद गुस्साए लोगों ने कार चालक और उसमें बैठे एक व्यक्ति को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी, झरिया पुलिस मामले की सूचना पाकर तुरंत मौके पर पहुंची और किसी तरह वाहन चालक समेत दो लोगों को भीड़ के चंगुल से बचाकर निकाला, पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

धूमधाम से मनाया गया किड्स एंजेल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा का वार्षिकोत्सव

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): बसंत मास की मधुमय धरा पर किड्स एंजेल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा का 21वां वार्षिकोत्सव बुधवार को पाथरडीह अजमेरा मैदान में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह, पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, पूर्व पार्षद प्रियंका देवी, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, अभिषेक पांडेय, समाजसेवी डा. बीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर भारत माता, माँ शारदे एवं विद्यालय के संस्थापक दिवंगत स्व विकाश श्रीवास्तव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। किड्स एंजल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा के बच्चे बच्चियों ने अपना अद्भुत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर हजारों दर्शकों का मनमोह लिया। श्री गणेशा देवा, महाभारत, रक्तचारित, झुनझुन मोयना, जंगल रखवाला रे, डोरेमोन, छोटा भीम, बाबूराओ कॉमेडी, राम आएंगे आदि का दर्शकगण सांस्कृतिक कला का भरपूर आनंद लिए। यहां तक कि वसंत की वयार भी थोड़ी देर रुक कर बच्चों की कलाकृति को देखने लगे थे। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्या नम्रता श्रीवास्तव के द्वारा मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व विद्यालय का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर किया गया।

भारी भीड़ उमड़ी धनबाद स्टेशन में, रेलवे ने आनन-फानन में चलायी स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (धनबाद): माघ पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाने के लिए प्रयागराज जाने के लिए मंगलवार को धनबाद स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. भीड़ के कारण स्टेशन पर अफरातफरी की हालत उत्पन्न हो गयी.

आनन-फानन में रेलवे ने रात में यहां से महाकुंभ स्पेशल चलाने की घोषणा की. घोषणा के बाद 20 मिनट के अंदर स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को लेकर यहां से ट्रेन प्रयागराज के लिए रवाना हुई. मंगलवार को शाम से ही धनबाद स्टेशन पर बाहर से लेकर प्लेटफार्म तक यात्री ट्रेन का इंतजार करते दिखे. पूरा स्टेशन परिसर पैक हो गया था. भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से रात 9:20 बजे कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई. 9:40 बजे ट्रेन को प्लेटफार्म संख्या तीन पर लगा दिया गया. महाकुंभ में जाने के लिए शाम से ही पहुंचे यात्री ट्रेन में सवार होने को स्टेशन पर पहुंच गये थे. प्लेटफार्म संख्या तीन पर कुंभ स्पेशल ट्रेन लगते ही उसे पर सवार होने की होड़ मच गई . कुछ ही मिनट के अंदर पूरी ट्रेन फुल हो गई. ट्रेन को 10:10 बजे धनबाद स्टेशन से रवाना किया गया.

कुंभ स्पेशल के खुलने के पहले ही प्लेटफार्म संख्या दो पर चंबल एक्सप्रेस को लगाया गया. ट्रेन के लगते ही इसके स्लीपर और जनरल कोच में सवार होने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी. चंबल एक्सप्रेस पहले से ही फुल होकर धनबाद स्टेशन पहुंची थी ऐसे में किसी तरह लोग इसमें सवार हो पाए,

महाकुंभ जाने के लिए स्टेशन पर उमड़ रही भीड़ को देखते हुए प्लेटफार्म पर आरपीएफ टीम की तैनाती की गई थी.

आरपीएफ की तरफ से लगातार कुंभ स्पेशल की घोषणा माइक से की जा रही थी. और जनरल टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को उस ट्रेन में सवार होने को कहते दिखे. ट्रेन के प्लेटफार्म के लगने से पहले ही सभी आरपीएफ की टीम यात्रियों के आगे खड़ा हो गए. ताकि ट्रेन रुकने के बाद ही यात्री ट्रेन में सवार हो. किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं हो. भारी सुरक्षा इंतजाम के बीच ट्रेनों को धनबाद स्टेशन से पास कराया जा रहा था।

नई कृषि योजना से किसान हो पायेगा धन-धान्य पूर्ण?

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: बजट में प्रत्यक्ष सब्सिडी की तुलना में वित्तीय सहायता को अधिक प्राथमिकता दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को सामान्य सब्सिडी के बजाय फसल-विशिष्ट और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर अनुरूप सहायता मिले। डिजिटल सलाहकार सेवाओं और मृदा स्वास्थ्य निगरानी के माध्यम से धान किसानों के लिए लक्षित सहायता के परिणामस्वरूप तेलंगाना में फ़सल की पैदावार और बाज़ार की कीमतों में सुधार हुआ है। छोटे और सीमांत किसानों को बड़ी ऋण राशि प्राप्त करने में सक्षम बनाकर, बढ़ी हुई केसीसी ऋण सीमा ने उन गैर-लाइसेंस प्राप्त साहूकारों पर उनकी निर्भरता को कम कर दिया है जो अत्यधिक ब्याज दरें लगाते हैं। किसानों को जल-कुशल और जलवायु-स्मार्ट खेती तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके, धन-धान्य कृषि योजना अनियमित मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों को कम करती है।

भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर बहुत अधिक निर्भर करती है, लेकिन यह बाज़ार की अक्षमताओं, खंडित भूमि जोतों और ऋण तक सीमित पहुँच जैसी संरचनात्मक समस्याओं का सामना करती है। किसानों की वित्तीय स्थिरता को मज़बूत करने के लिए सबसे हालिया बजट में प्रधानमंत्री धन -धान्य कृषि योजना और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा में वृद्धि जैसी पहल शामिल की गई थी। कृषि बाजारों में अक्षमताओं को दूर करने में की गई प्रगति की डिग्री उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यह पहल टिकाऊ खेती के तरीकों और बेहतर खेती के तरीकों के माध्यम से कृषि उत्पादकता और जलवायु लचीलापन में सुधार करना चाहती है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों ने तुलनीय कार्यक्रमों के तहत लागू ड्रिप सिंचाई और एआई-संचालित मृदा विश्लेषण जैसी सटीक खेती के तरीकों की बदौलत उत्पादकता में वृद्धि देखी है।

ऋण सीमा को ₹3 लाख से बढ़ाकर ₹5 लाख कर दिया गया है, जिससे किसानों को उर्वरक, बीज और समकालीन कृषि उपकरणों पर ख़र्च करने के लिए अधिक पैसा मिल रहा है। उच्च ऋण सीमा ने पंजाब और हरियाणा के छोटे किसानों के लिए मशीनी उपकरण खरीदना संभव बना दिया है, जिससे उत्पादकता बढ़ी है और मैनुअल श्रम पर निर्भरता कम हुई है। बजट में कम उत्पादकता वाले 100 जिलों को लक्षित किया गया है और बेहतर सिंचाई प्रणाली, उच्च उपज वाले बीज और बेहतर भंडारण बुनियादी ढांचे सहित उपज और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र-विशिष्ट उपाय पेश किए गए हैं। सिंचाई और मृदा प्रबंधन में सुधार करके, गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में इसी तरह की जिला-केंद्रित रणनीति के परिणामस्वरूप कपास की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च उपज वाले बीजों पर राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य बीज की गुणवत्ता को बढ़ाना और अनियमित मौसम पैटर्न और मिट्टी की गिरावट के कारण होने वाली फ़सल की विफलताओं को कम करना है। हाल के वर्षों में, उत्तर प्रदेश ने जलवायु-लचीली गेहूँ की किस्मों को पेश करके तेज तापमान परिवर्तन के दौरान उपज के नुक़सान को कम किया है।

बजट में प्रत्यक्ष सब्सिडी की तुलना में वित्तीय सहायता को अधिक प्राथमिकता दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को सामान्य सब्सिडी के बजाय फसल-विशिष्ट और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर अनुरूप सहायता मिले। डिजिटल सलाहकार सेवाओं और मृदा स्वास्थ्य निगरानी के माध्यम से धान किसानों के लिए लक्षित सहायता के परिणामस्वरूप तेलंगाना में फ़सल की पैदावार और बाज़ार की कीमतों में सुधार हुआ है। बेहतर सिंचाई और उच्च उपज वाले बीजों पर ध्यान केंद्रित करने से प्रति एकड़ उत्पादन में वृद्धि होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में वृद्धि होगी। एक तुलनीय कार्यक्रम के तहत, मध्य प्रदेश ने संकर मक्का किस्मों को अपनाया, जिससे तीन वर्षों में उत्पादन में वृद्धि हुई। छोटे और सीमांत किसानों को बड़ी ऋण राशि प्राप्त करने में सक्षम बनाकर, बढ़ी हुई केसीसी ऋण सीमा ने उन गैर-लाइसेंस प्राप्त साहूकारों पर उनकी निर्भरता को कम कर दिया है जो अत्यधिक ब्याज दरें लगाते हैं। किसानों को जल-कुशल और जलवायु-स्मार्ट खेती तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके, धन-धान्य कृषि योजना अनियमित मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों को कम करती है।

वर्षा में गिरावट के बावजूद, राजस्थान के किसान सूखा-प्रतिरोधी बाजरा किस्मों को बढ़ावा देकर उत्पादन बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। बेहतर बुनियादी ढाँचा और ऋण तक आसान पहुँच किसानों को अत्याधुनिक तकनीक में निवेश करने की अनुमति देती है, जो फ़सल के बाद के नुक़सान को कम करती है और बाज़ार की कीमतों को बढ़ाती है। वित्तीय कठिनाइयों वाले जिलों में ऋण में सुधार और केंद्रित हस्तक्षेपों को लागू करने पर ज़ोर देने से वित्तीय कठिनाई कम होगी और कर्ज़ के बोझ से किसानों की आत्महत्या की संख्या कम होगी। महाराष्ट्र के विदर्भ में ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम ने किसानों को उनकी आय स्थिर करने में सहायता की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः ऋण-सम्बंधी संकट के मामलों में कमी आई। केसीसी ऋण सीमा में वृद्धि के कारण किसानों को अधिक वित्तीय लचीलापन मिला है, जिससे अनौपचारिक साहूकारों पर उनकी निर्भरता कम हो गई है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए, जो भारत की कृषि आबादी का लगभग 86% हिस्सा हैं, आधिकारिक ऋण प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। वे इस उपाय का उपयोग उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी और बीजों में निवेश को वित्तपोषित करने के लिए कर सकते हैं।

धन-धान्य कृषि योजना जलवायु-लचीली खेती और उच्च उपज वाले बीजों को प्रोत्साहित करती है, जो जलवायु परिवर्तन के सामने खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। सूखा-प्रतिरोधी और उच्च उपज वाले बीजों की उपलब्धता पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में उत्पादन को स्थिर कर सकती है जहाँ अप्रत्याशित मानसून पैदावार को प्रभावित करता है। अनावश्यक ख़र्च को कम करना और अधिक प्रभावी संसाधन आवंटन को बढ़ावा देना सामान्य सब्सिडी के बजाय लक्षित ऋण सहायता पर ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य है। अत्यधिक उर्वरक सब्सिडी के विपरीत, जो इनपुट बाज़ार को विकृत करती है, पीएम-किसान के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण ने किसानों की आय सुरक्षा को बढ़ाया है। अधिक ऋण उपलब्ध होने से, किसान सिंचाई प्रणाली, भंडारण सुविधाएँ और आधुनिक उपकरण खरीद सकते हैं, जो कटाई के बाद के नुक़सान को कम करता है और उत्पादन को बढ़ाता है। सीमांत किसानों को सशक्त बनाकर, बढ़ी हुई वित्तीय सहायता उनके लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और बेहतर तकनीकों को अपनाना संभव बनाती है।

ओडिशा में बाजरा मिशन, जो छोटे किसानों को बाजरा उगाने में मदद करता है, इस बात का उदाहरण है कि कैसे लक्षित ऋण जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीली फसलों के उत्पादन को बढ़ा सकता है। किसानों के पास गारंटीकृत मूल्य निर्धारण तंत्र का अभाव है, जिससे वे बाज़ार के उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं, भले ही ऋण उपलब्धता में सुधार हुआ हो। 2023 में, कर्नाटक के टमाटर किसानों ने बम्पर फ़सल पैदा करने के बावजूद बहुत सारा पैसा खो दिया क्योंकि अधिक आपूर्ति के कारण कीमतें गिर गईं। कृषि में अकुशल आपूर्ति श्रृंखला और विपणन, जिसके कारण किसानों को अपनी उपज के लिए कम क़ीमत मिलती है, को केवल ऋण सहायता से ठीक नहीं किया जा सकता है। आय विविधीकरण को बढ़ाए बिना ऋण सीमा बढ़ाने से किसानों के ऋण चक्र में फंसने का जोखिम है, खासकर जलवायु झटकों के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में। अनियमित मानसून के कारण, विदर्भ के किसानों को इनपुट के लिए अल्पकालिक ऋण चुकाने में कठिनाई होती है, जिससे उनका ऋण बढ़ जाता है।

नीतियाँ भारत के कम कृषि निर्यात (वैश्विक कृषि व्यापार का 2-3%) को सम्बोधित नहीं करती हैं, जो किसानों की अंतर्राष्ट्रीय बाजारों और प्रीमियम कीमतों तक पहुँच को प्रतिबंधित करता है। हालाँकि भारत में सबसे ज़्यादा बाजरा पैदा होता है, लेकिन किसानों को मज़बूत निर्यात नियमों के अभाव में अपनी फ़सल को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विदेश में बेचना मुश्किल लगता है। किसान ज़्यादा ऋण लेकर अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं, लेकिन प्रसंस्करण और भंडारण सुविधाओं के अभाव में उन्हें अभी भी फ़सल कटाई के बाद होने वाले नुक़सान का सामना करना पड़ता है। किसानों की क़ीमत प्राप्ति में सुधार के लिए, सरकार को अनुबंध खेती को प्रोत्साहित करना चाहिए और एमएसपी कवरेज को बढ़ाना चाहिए। सहकारी खेती और गारंटीकृत मूल्य निर्धारण किसानों की आय बढ़ा सकते हैं, जैसा कि गुजरात में AMUL के डेयरी मॉडल की सफलता से पता चलता है। कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसिंग और खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं में निवेश करके कीमतों को स्थिर किया जा सकता है और फ़सल कटाई के बाद होने वाले नुक़सान को कम किया जा सकता है। महाराष्ट्र में आम के कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क ने उत्पादकों को उपज की शेल्फ़ लाइफ़ बढ़ाने और निर्यात बाज़ारों में उच्च मूल्य प्राप्त करने में सहायता की है।

पानी की अधिक खपत वाली फसलों पर निर्भरता कम करने के लिए, किसानों को उच्च मूल्य वाली, जलवायु-अनुकूल फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के तेलंगाना के प्रयासों ने किसानों को पानी की अधिक खपत वाले धान से ज़्यादा पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों की ओर जाने में सहायता की है। बाज़ार की पहुँच और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाकर, नीतियों का लक्ष्य कृषि निर्यात को बढ़ाना होना चाहिए। डिजिटल भूमि रिकॉर्ड, एआई-संचालित सटीक खेती और वास्तविक समय मूल्य खोज उपकरणों का उपयोग करके कृषि मूल्य श्रृंखला में अक्षमताओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार, या ई-एनएएम ने किसानों को भारतीय खरीदारों के साथ सीधे संपर्क में लाकर बेहतर कीमतों तक उनकी पहुँच को आसान बनाया है। कृषि क्षेत्र को मज़बूत करने के लिए वित्तीय समावेशन, बाज़ार पहुँच और प्रौद्योगिकी एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। जबकि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और बढ़ी हुई केसीसी सीमा जैसी पहल अल्पकालिक राहत प्रदान कर सकती हैं, संरचनात्मक बाज़ार के मुद्दों से निपटने के लिए एक अधिक व्यापक रणनीति की आवश्यकता होगी जिसमें टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ और बेहतर बुनियादी ढाँचा शामिल हो।

प्रियंका सौरभ

जहर बोती विचारधारा समाज को अस्वीकार

हिंसा और आंतकवाद का घृणित स्वरूप

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है । इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभिस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं। भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है। भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती है। भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

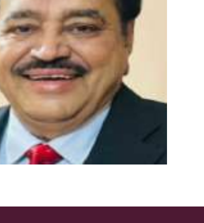

दुनिया के 50 देशों से बड़ा है मुंबई महानगर पालिका का बजट!

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: मुंबई महानगरपालिका आयुक्त और प्रशासक भूषण गगरानी ने देश की सबसे समृद्ध मुंबई महानगर पालिका के बजट में मुंबईकरों के लिए खजाना खोल दिया। मंगलवार को गगरानी ने मुंबई महानगर पालिका के वर्ष 2025-26 का 74427.41 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह वर्ष 2024-25 के बजट 59954.75 करोड़ रुपये से 14473 करोड़ यानी 19.45% अधिक है. अरुणाचल प्रदेश,त्रिपुरा, मेघालय, मणिपूर, मिजोरम, जिसका आर्थिक आकार पूर्वोत्तर राज्य की अर्थव्यवस्था से भी अधिक है. खास बात तो ये है कि दुनिया के करीब 50 देश ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी 8.50 बिलियन डॉलर भी नहीं है. जिसमें मॉन्टेंगरो, मालदीव, बारबडोस, भूटान जांबिया आदि देश हैं जिनकी जीडीपी मुंबई के सालाना बजट से भी देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मुंबई के बजट में किस तरह की चीजें हैं और दुनिया के वो कौन-कौन से देश हैं, जिनकी जीडीपी बीएमसी के बजट से कम है. खास बात तो ये है कि बीएमसी का बजट जितना है, उतना तो दुनिया के कई देशों की जीडीपी तक नहीं है. भूटान की कुल जीडीपी 3 बिलियन डॉलर से कुछ ज्यादा ही है. जबकि फिजी की कुल देशों की जीडीपी 5.8 बिलियन डॉलर है. अगर बात मालदीव की करें तो देश की कुल जीडीपी 7.1 बिलियन डॉलर की देखने को मिल रही है. बारबडोज की कुल जीडीपी 6.8 बिलियन डॉलर है. मॉन्टेंगरो जैसे देश की बात करें तो मौजूदा समय में उसकी जीडीपी भी 8 बिलियन डॉलर ही है, जोकि बीएमसी के 8.5 बिलियन डॉलर से कम है. इसी तरह से दुनिया में करीब 50 देश ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी मौजूदा समय में मुंबई के बजट से कम है.

खैर मुंबई महानगर पालिका आयुक्त भूषण गगरानी ने मुंबई शहर के विकास के लिए कई उपाय सुझाए हैं। अभी के लिए, यह सुझाव देने के लिए उन पर निर्भर है। क्योंकि नगरपालिका मौजूद नहीं है। अगले महीने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में पार्षदों का कार्यकाल समाप्त होने के तीन साल पूरे हो जाएंगे। किसी को भी यह जानने की संभावना नहीं है कि यह अवधि कितने समय तक चलेगी, और कोई उम्मीद नहीं है कि इसे छोटा किया जाएगा। चुनाव भी जल्द होने की संभावना नहीं है। उप-स्थायी समिति, उनमें से प्रतिशत, वार्डों में छोटे से छोटे कामों में भी पार्षदों की चिड़चिड़ाहट फिलहाल बंद है। सिर्फ इसलिए कि पिछले तीन वर्षों से कोई नगरसेवक नहीं हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि आम मुंबईकर गलत हो रहे हैं। इसका दूसरा निहितार्थ यह है कि नागरिक निकाय प्रशासक के हाथों में है, जिसका आम मुंबईकरों के जीवन की गुणवत्ता पर कुछ प्रभाव पड़ा है।, ऐसा नहीं है। फिर भी लोकतंत्र की व्यवस्था के अनुसार जनप्रतिनिधियों का शासन जल्द आना चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह नकली है; लेकिन यह एक सौंदर्य तानाशाही से बेहतर है। हालांकि, यह जरूरी है कि मुंबईकर-साथ ही राज्य की दो दर्जन से अधिक नगरपालिकाओं और 200 से अधिक नगरपालिकाओं में- एक बार फिर लोकतंत्र की बयार खेलना शुरू करें. ऊपर से उदासीनता और नीचे से लोकतंत्र के प्रति उदासीनता ठीक नहीं है। क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कागज पर चाहे कुछ भी हो, कोई न कोई आम जनता के प्रति जवाबदेह होता है। फिरोज शाह मेहता, बोमन बेहराम, E. मूसा, बी. एन. करंजिया, एस. के. के. बृहन्मुंबई नगर निगम के महापौर के पद को लंबे समय तक खाली रखना मुंबईकरों के साथ अन्याय है, जिस पर पाटिल जैसे एक से अधिक नेता काबिज रहे हैं। वैसे भी। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, इस विशाल निगम के समान रूप से विशाल बजट के बारे में।

राज्य सरकार की तरह, बीएमसी लोकलुभावनवाद की गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। जब हमारे पास चुनाव होते हैं, तो ऐसा लगता है कि राजनेताओं द्वारा मतदाताओं को वोट के लिए विभिन्न प्रलोभन और रियायतें देने की एक आम परंपरा है। प्यारी बहन, प्यारे भाई, मुफ्त बिजली जैसी लोकप्रिय और वोट गारंटी योजनाओं ने महाराष्ट्र जैसे विकसित राज्य की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। यह आखिरी बार है जब उत्पाद शुल्क के उन्मूलन के बाद से मुंबई नगर निगम की आर्थिक स्थिति को समाप्त कर दिया गया है। यह थोड़ा लंगड़ा था। करों के बाद, संपत्ति कर नगरपालिका के लिए राजस्व का एक स्रोत है। लेकिन वोटों के लिए 500 वर्ग फुट तक आवासीय संपत्तियों के लिए टैक्स ब्रेक के साथ, अमीर नगरपालिका को भी संपत्ति कर राजस्व में कटौती करनी पड़ी है। तो इतनी बड़ी कंपनी कैसे ड्राइव कर सकती है? उसे इसे बाहर निकालने के लिए पैसे कहां से मिलेंगे? जिस तरह केंद्र सरकार को राज्य के बिक्री कर के बजाय वस्तु और सेवा कर की शुरूआत से होने वाले नुकसान की भरपाई करनी होती है, उसी तरह राज्य सरकार से जकात के उन्मूलन की भरपाई की उम्मीद की जाती है। तदनुसार, बजट में इस वर्ष 14,398 करोड़ रुपये का मुआवजा प्रदान करने की उम्मीद है। इसका सीधा सा मतलब है कि एशिया का सबसे अमीर मुंबई नगर निगम भी अंततः सरकारी सहायता पर निर्भर है। खुशी की बात यह है कि मुंबई में चल रहे भवनों के निर्माण से बीएमसी को आर्थिक लाभ हुआ है। चालू वित्त वर्ष में, विकास नियोजन विभाग को 5,800 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है, लेकिन वास्तव में निर्माण के लिए नागरिक निकाय को भुगतान की जाने वाली राशि के कारण वास्तव में 8,800 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। अनुमान है कि अगले साल टैक्स बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, लेकिन कमिश्नर ने सुझाव दिया है कि फिक्स्ड डिपॉजिट का इस्तेमाल इस तरह से करना होगा। फिक्स्ड डिपॉजिट के इस तरह के इस्तेमाल को इस बात के संकेत के तौर पर देखा जाए कि देश के सबसे अमीर बीएमसी की भव्य और मजबूत वित्तीय नींव हिल रही है, तो यह गलत नहीं है।

BMC के पास 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की सावधि जमा राशि है। आयुक्त ने नागरिक निकाय द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए सावधि जमा का उपयोग करने की आवश्यकता बताई। ऐसा समय खतरनाक है। यह घर चलाने के लिए अगली पीढ़ी के लिए पूर्वजों द्वारा रखे गए आभूषणों को तोड़ने जैसा है। दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई यात्रा के दौरान नागरिक प्रशासन के लिए यह एक बड़ा झटका था। अब अगर प्रधानमंत्री उन्हें पैसा बैंक में रखने के बजाय खर्च करने की सलाह देने लगे, तो जो अधिकारी आगे-पीछे से बिना सोचे-समझे योजनाओं की घोषणा करते हैं। फिर भी, गगरानी ने अधिक जमा राशि को तोड़ने से परहेज किया। यह राहत की बात है कि ये जमा भविष्य में उपयोगी हो सकते हैं। यह कहना मुश्किल है कि यह कितना टिकाऊ होगा। इसलिए, बीएमसी को राजस्व सृजन बढ़ाने के लिए नए उपायों के साथ आना होगा। इसके हिस्से के रूप में, आयुक्त मुंबई में लगभग 50,000 झुग्गियों में दुकानों, गैरेज, छोटे और बड़े उद्योगों जैसे वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं से कर एकत्र करने की योजना के साथ आए। यह सही है।

इसके अलावा, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपयोगकर्ता शुल्क एकत्र करने का भी प्रस्ताव था। हालांकि, एक तरफ, आर्थिक मोर्चे पर सख्त कदम उठाने होंगे, दूसरी तरफ, बेस्ट प्रशासन को मुंबईकरों के परिवहन के लिए बेस्ट प्रशासन को 1,000 करोड़ रुपये प्रदान करने होंगे। कभी एसटी या बेस्ट की आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर सेवाएं अब निर्भर हो गई हैं। इस तस्वीर के बदलने की संभावना नहीं है। यह ढांचे के भीतर काम करता है। मुंबई शहर के आकार और आकार को देखते हुए, जो भूगोल की सीमाओं के कारण कठिन है, नगर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं वास्तव में सराहनीय हैं। बीएमसी द्वारा निर्मित पूरी तरह से नई तटीय सड़क को बीएमसी की एक बड़ी उपलब्धि माना जाएगा। गरीबों को मुफ्त इलाज प्रदान करने के लिए नगर निगम द्वारा संचालित अस्पताल भी गर्व का विषय हैं। अभिघातज। राजनीतिक दलों ने मुंबई को बाटिक माना। दिल्लीवासियों का प्रयास है कि कैसे मुंबई का स्वामित्व उन तक खींचा जाए और मुंबईकरों के उन प्रयासों को कैसे विफल किया जाए। इस भंडार में शहर उपेक्षित रहता है। वास्तविकता यह है कि यह शहर, जो न्यूयॉर्क, लंदन या इसी तरह के शहरों से मेल खाने की क्षमता रखता है, प्रशासनिक तपस्या और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण अपनी अपेक्षित ऊंचाइयों तक पहुंचने में असमर्थ है।

अशोक भाटिया

सनातन प्रकाशपुंज: साधना से सिद्धि तक की दिव्य यात्रा

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: 18 फरवरी 2024, माघ सुदी नवमी—छत्तीसगढ़ की पुण्यभूमि, चंद्रगिरि तीर्थ, डोंगरगढ़ में जब लोकपूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज ने पूर्ण जागृत अवस्था में देह का त्याग किया, तब यह केवल एक संत का महाप्रयाण नहीं, बल्कि एक युग का अवसान और उनकी तेजस्वी विचारधारा के नवोदय का क्षण था। उस विलक्षण पल में साधना की पराकाष्ठा, त्याग की परिभाषा और आत्मसंयम की दिव्यता ने अमर ज्योति का रूप ले लिया। उनका तपोबल, अपरिमेय त्याग और अखंड साधना संपूर्ण समाज के लिए आदर्श बन गई, जिसके सम्मुख समूचा विश्व श्रद्धानत है।

उनका व्यक्तित्व जितना निर्मल और सौम्य था, विचार उतने ही प्रखर और परिवर्तनकारी। वे केवल एक संत नहीं, अपितु त्याग, तपस्या और आत्मसंयम की जीवंत प्रतिमूर्ति थे। अहिंसा के अप्रतिम उपासक, सत्य के निर्भीक प्रहरी और धर्म के आलोक स्तंभ, जिनकी उपस्थिति मात्र से वातावरण दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठता था। उनकी वाणी में ओज, दृष्टि में करुणा और आचरण में धर्म का सार समाहित था। उनकी विचारधारा समाज सुधार और मानवता के उत्थान का पथ प्रशस्त करती रही और अनंत काल तक करती रहेगी। उनकी प्रथम समाधि स्मृति तिथि, 6 फरवरी 2025 (माघ सुदी नवमी), केवल पुण्यस्मरण का दिवस नहीं, बल्कि श्रद्धा, संकल्प और आत्मचिंतन का दिव्य अवसर होगा। यह दिन हमें उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने, उनके सिद्धांतों पर अडिग रहने और उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा देगा।

आचार्य विद्यासागर महाराज भारतीय समाज और जैन धर्म के गौरवशाली इतिहास में एक दिव्य प्रकाशपुंज और अप्रतिम संत थे। उनका जीवन केवल एक महान तपस्वी का नहीं था, अपितु समाज सुधारक, प्रखर चिंतक और मानवता के प्रति असीम करुणा रखने वाले युगपुरुष का भी था। 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगावी जिले के पावन ग्राम सदलगा में जन्मे आचार्यश्री का सांसारिक नाम विद्याधर था, जो उनके अद्भुत ज्ञानप्रेम और तेजस्विता का प्रतीक बना। पिता श्री मल्लप्पा और माता श्रीमती श्रीमंता बाई ने उनके हृदय में बाल्यकाल से ही धार्मिकता, सादगी और आत्मसंयम के गहरे संस्कार रोपित कर दिए थे। केवल 22 वर्ष की अल्पायु में सांसारिक मोह-माया का परित्याग कर उन्होंने जैन दीक्षा धारण की और धर्मशास्त्रों के गहन अध्ययन व मनन में लीन हो गए। वे जीवनभर आत्मज्ञान और आंतरिक शुद्धता को ही धर्म का सच्चा स्वरूप मानते रहे।

बाह्य आडंबरों, अंधविश्वासों और रूढ़ियों के विरोध में उन्होंने अपनी वाणी को निर्भीकता से मुखर किया और समाज को सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान तथा सम्यक आचरण की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन स्वयं एक तपस्या और अखंड साधना था, जो समूचे समाज को आध्यात्मिकता, नैतिकता और आत्मसंयम की प्रेरणा प्रदान करती रहेगी। उनकी दृष्टि समाजोत्थान के प्रत्येक पहलू में परिलक्षित होती थी। वे न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक थे, बल्कि समाज सुधारक, शिक्षाविद् और आत्मनिर्भरता के पक्षधर भी थे। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक प्रगति की संजीवनी मानते हुए महिलाओं और वंचित वर्गों के उत्थान हेतु अद्वितीय प्रयास किए। उनके प्रयासों का साकार रूप प्रतिभा स्थली तथा अन्य शिक्षण संस्थान हैं, जहाँ ज्ञान की अखंड ज्योति प्रज्वलित हो रही है।

जिनालयों, गौशालाओं तथा हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देकर उन्होंने आध्यात्मिकता, सेवा और स्वावलंबन की त्रिवेणी प्रवाहित की। वे आत्मनिर्भरता को जीवन का सार मानते थे और समाज को यही शिक्षा देना चाहते थे कि धर्म केवल उपासना तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और आत्मनिर्भरता में निहित है। उनका साहित्यिक अवदान भी अद्वितीय और अमूल्य है। संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में उन्होंने अनेक कालजयी ग्रंथों की रचना की, जिनमें निरंजना शतक, भावना शतक, परिषह जया शतक, सुनीति शतक और श्रमण शतक जैसे ग्रंथ जैन धर्म की गौरवशाली धरोहर के रूप में समादृत हैं। किंतु उनकी सर्वोत्कृष्ट कृति मूक माटी केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि साधना, मानवता और धर्म के गूढ़ रहस्यों को उजागर करने वाला एक दिव्य दर्पण है, जो समाज के प्रत्येक पहलू को प्रतिबिंबित करता है। इसकी प्रासंगिकता इतनी व्यापक है कि इसे विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी स्थान प्राप्त हुआ है।

6 फरवरी को मनाया जाने वाला उनका प्रथम समाधि स्मृति दिवस केवल उनके पुण्यस्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात करने और उनके दिखाए पथ पर दृढ़ संकल्प के साथ अग्रसर होने का दिव्य क्षण होगा। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची साधना केवल आत्मकल्याण तक सीमित नहीं होती, अपितु समाजोत्थान और मानवता की सेवा में भी उसकी अनिवार्य भूमिका होती है। उनकी वाणी में जो तेजस्विता थी, वह मात्र उपदेशों में नहीं, बल्कि उनके आचरण और कर्मों में प्रत्यक्ष रूप से प्रतिबिंबित होती थी। वे इस सत्य के जीवंत प्रमाण थे कि आध्यात्मिकता केवल ध्यान, तपस्या और आत्मसंयम में ही नहीं, बल्कि सेवा, परोपकार और ज्ञान के विस्तार में भी समाहित होती है। उनकी शिक्षाएँ कालजयी हैं—एक ऐसा अमर प्रकाश, जो युगों-युगों तक मानवता को धर्म, ज्ञान और सेवा के पथ पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। यदि हम उनके सिद्धांतों को आत्मसात कर अपने जीवन को सत्कर्म, सदाचार और समाजसेवा की ओर प्रवृत्त करें, तो यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज मात्र एक नाम नहीं, बल्कि सनातन सत्य की प्रखर आलोकधारा हैं, जो अनंत काल तक समाज को प्रकाशित करती रहेंगी। उनकी स्मृति, उनका तपोबल और उनकी दिव्य विचारधारा सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी, और युगों-युगों तक उनके सिद्धांत मानव समाज को सन्मार्ग दिखाते रहेंगे।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी, फिल्म 28 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (मुंबई): अमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज ने एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी के साथ मिलकर अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल फिल्म सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव का दिलचस्प और मनमोहक थिएट्रिकल ट्रेलर आज रिलीज़ कर दिया। यह फिल्म एक सच्ची कहानी से प्रेरित है और महाराष्ट्र के छोटे से शहर मालेगांव की पृष्ठभूमि पर बनी है। यह नासिर शेख नाम के एक शौकिया फिल्म निर्माता की जिंदगी पर आधारित है, जो अपने दोस्तों के साथ मिलकर इस छोटे से कस्बे को फिल्म निर्माण के जुनून के केंद्र में बदलकर पुनर्जीवित करता है। सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी द्वारा किया गया है। इसके निर्माता रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, ज़ोया अख्तर, और रीमा कागती हैं। फिल्म का निर्देशन रीमा कागती ने किया है, और इसकी पटकथा वरुण ग्रोवर ने लिखी है। इस फिल्म में आदर्श गौरव, शशांक अरोड़ा, विनीत कुमार सिंह, अनुज सिंह दुहान, साकिब अयूब, पल्लव सिंह, मंजीरी पुपला, मुस्कान जाफरी और ऋद्धि कुमार जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों की शानदार टोली शामिल है। सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव 28 फरवरी को भारत, अमेरिका, यूके, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के सिनेमाघरों में रिलीज़ की जाएगी।

सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव का ट्रेलर दर्शकों को सपनों, संघर्ष और सिनेमा के जादू से भरी एक दिल छू लेने वाली यात्रा पर ले जाता है। यह मालेगांव के एक महत्वाकांक्षी युवा नासिर शेख की कहानी को प्रस्तुत करता है, जो एक ऐसे छोटे शहर से ताल्लुक रखता है, जहां फिल्में लोगों को रोज़मर्रा की मुश्किलों से राहत देने का जरिया हैं। इन्हीं फिल्मों से प्रेरित होकर नासिर मालेगांव को बॉलीवुड में बदलने का सपना देखता है। अपनी अनोखी सोच, साहसिक विचारों और जोशीले दोस्तों के एक समूह के साथ, वह मालेगांव के लोगों के लिए मालेगांव में बनी एक फिल्म बनाने के मिशन पर निकल पड़ता है। ट्रेलर में मज़ेदार ऑडिशन, जुगाड़ से की गई फिल्ममेकिंग और ज़िंदगी की मुश्किलों का सामना करने की ज़िद को बखूबी दिखाया गया है। सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव दोस्ती, जुनून और बड़े सपने देखने की ताकत की एक प्रेरणादायक कहानी है, जो यह साबित करती है कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती।

प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल मधोक ने कहा, " सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव, जिसे TIFF और BFI लंदन फिल्म फेस्टिवल में सराहा गया, प्रामाणिक भारतीय कथाओं की सार्वभौमिक अपील का एक शानदार उदाहरण है । भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में इसकी थिएट्रिकल रिलीज़ एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि यह अमेज़ॅन एमजीएम की पहली भारतीय मूल फिल्म है जो वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में डेब्यू करेगी। यह रोमांचक कदम दुनिया भर के दर्शकों को साहसिक, विविध और विचारोत्तेजक कहानियाँ देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम अपने अविश्वसनीय सहयोगियों, एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी के आभारी हैं, जिन्होंने इस असाधारण यात्रा को साकार किया, हम इस प्रेरणादायक कहानी को बड़े पर्दे पर साझा करने के लिए उत्साहित हैं!"

एक्सेल एंटरटेनमेंट के निर्माता रितेश सिधवानी ने कहा, "सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव सपनों और संकल्प का उत्सव है-ऐसी भावनाएँ जिनसे हर कोई जुड़ सकता है। हम अमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज़ के साथ सहयोग करके इस प्रेरणादायक कहानी को सिनेमाघरों तक लाने के लिए उत्साहित हैं। हमें उम्मीद है कि यह फ़िल्म दर्शकों के दिलों को गहराई से छूएगी और लाखों लोगों तक पहुंचेगी। यह कहानी आशा, रचनात्मकता और मानव भावना की असीम संभावनाओं की एक शक्तिशाली अनुस्मारक है।"

एक्सेल एंटरटेनमेंट के निर्माता फरहान अख्तर ने कहा, "एक फिल्म निर्माता के रूप में, हमारा लक्ष्य हमेशा ऐसी सार्थक फिल्में बनाना रहा है जो न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर के दर्शकों से जुड़ सकें। सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जो यह दिखाती है कि कोई भी सपना बड़ा नहीं होता, अगर उसे साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की जाए। अमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज़ के साथ इस अविश्वसनीय प्रोजेक्ट को साकार करने का अवसर पाकर हम बेहद उत्साहित हैं। अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों और स्क्रीनिंग से लेकर इसकी आगामी थिएट्रिकल रिलीज़ तक, सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव कहानी कहने की उस शक्ति का जश्न मनाती है, जो दुनियाभर के लोगों को एक साथ जोड़ सकती है।"

ज़ोया अख्तर, निर्माता, टाइगर बेबी, ने कहा, "मैं एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज़ के साथ इस प्रेरणादायक कहानी को साकार करने के लिए सहयोग करके उत्साहित हूँ— एक ऐसी कहानी जो इस बात का जश्न मनाती है कि किसी भी परिस्थिति में कला सृजन की मानवीय इच्छा कभी नहीं रुकती। सुपरबॉयज़ को दुनियाभर की स्क्रीनिंग में जो अपार प्रेम मिला है, वह इस बात की पुष्टि करता है कि यह भावना कितनी सार्वभौमिक है।"

टाइगर बेबी की निर्देशक और निर्माता रीमा कागती ने कहा, "सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव एक ऐसी कहानी है, जो संघर्ष करने वालों की शक्ति और सिनेमा के जादू को दर्शाती है। यह फिल्म सिर्फ मालेगांव में फिल्म निर्माण की शुरुआत के बारे में नहीं है; यह उन सपनों, युवा फिल्म निर्माताओं और उनके शहर की यात्रा को दिखाती है, जो इसके साथ विकसित हुए। हम इस अनोखी कहानी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं-एक ऐसी कहानी, जो उन लोगों की अविश्वसनीय यात्रा से प्रेरित है, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद, असीम सपनों और संकल्प के साथ सिनेमा का जादू उत्पन्न किया।"

सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव ने वैश्विक स्तर पर प्रशंसा प्राप्त की है, दर्शकों के दिलों को जीता है और व्यापक सराहना हासिल की है। सितंबर 2024 में 49वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (TIFF) में अपने वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान, इसने खचाखच भरे ऑडिटोरियम से स्टैंडिंग ओवेशन प्राप्त किया, जो इसकी भावनात्मक गहराई को दर्शाता है। यह फिल्म 68वें BFI लंदन फिल्म फेस्टिवल में भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में सफल रही और चौथे रेड सी फिल्म फेस्टिवल में अपनी गहरी छाप छोड़ी। हाल ही में, इसने 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहां इसे यंग सिनेएस्ट सेगमेंट में विशेष उल्लेख प्राप्त हुआ। अपनी प्रभावशाली कहानी, भावनात्मक गहराई और सशक्त प्रस्तुति के साथ, यह कॉमेडी-ड्रामा न केवल दर्शकों बल्कि समीक्षकों पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ चुका है।

ईसीएल मुग्मा क्षेत्र में राज्य प्रशासन के समन्वय बैठक

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (पांडवेश्वर): ईसीएल मुग्मा क्षेत्र में महाप्रबंधक ओपी चौबे की अध्यक्षता में झारखंड राज्य के धनबाद जिला प्रशासन ईसीएल के सुरक्षा प्रमुख, सीआईएसएफ के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में एसपी, सर्किल इंस्पेक्टर निरसा, प्रभारी अधिकारी निरसा पी.एस. और मैथन ओ.पी., प्रमुख-ईसीएल के सुरक्षा प्रमुख मेजर एस. तिवारी, एजेंट, प्रबंधक, विभागाध्यक्ष और मुगमा क्षेत्र, ईसीएल के सुरक्षा निरीक्षक आदि उपस्थित थे, समन्वय बैठक में विशेष रूप से बरमुरी और राजपुरा ओसीपी के साथ-साथ मुगमा क्षेत्र समेत ईसीएल की अन्य इकाइयों में अवैध खनन, डीजल चोरी, कोयला चोरी के मुद्दे को वर्तमान सुरक्षा उपाय करना, सीआईएसएफ, राज्य प्रशासन, स्थानीय पुलिस और आंतरिक सुरक्षा कर्मियों के बीच समन्वय को मजबूत करना, तकनीकी हस्तक्षेप और निगरानी बढ़ाने, अपराधियों के खिलाफ कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई और सामुदायिक जागरूकता पर विस्तार से चर्चा हुई, समन्वय बैठक में वर्तमान सुरक्षा उपायों और संसाधनों की कमी और वास्तविक समय की खुफिया जानकारी की कमी सहित आंतरिक सुरक्षा के सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों और प्रभावित क्षेत्रों की पहचान पर भी संक्षेप में चर्चा हुई,

बैठक में आम सहमति से नियमित आधार पर त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एक संयुक्त टास्क फोर्स की स्थापना, वास्तविक समय अलर्ट के लिए संरचित रिपोर्टिंग तंत्र का कार्यान्वयन, प्रगति का आकलन करने और आगे की कार्रवाइयों की रणनीति बनाने के लिए समय-समय पर समीक्षा बैठकें, सीसीटीवी कैमरों का कार्यान्वयन, संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से सर्वेक्षण और जीपीएस ट्रैकिंग वाहनों की तैनाती को भी तत्काल प्रशासित करने पर विचार किया गया.

पत्रकार और इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन

स्याही की धार, विचारों की मशाल,
कलम के सिपाही, लड़ें हर सवाल।
जो देखे समाज की हर एक कहानी,
अंधेरों में बन जाए रोशनी का पानी।

सुबह से चलें, रातों में जागें,
सच की खोज में धरती नापें।
धूप हो या बारिश, आँधी हो या तूफ़ान,
हर ख़बर की तह तक जाए बेख़ौफ़ इंसान।

जो लफ़्ज़ों से गढ़े समाज का आईना,
न्याय का दीप जलाए महीना-दर-महीना।
जो बोले बिना डरे, बिना झुके,
चाहे हुकूमत की दीवारें भी रुके।

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन का है जो नाम,
हर पत्रकार के लिए सम्मान का धाम।
जो कलम के सिपाहियों की ताक़त बढ़ाए,
हर अत्याचार के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाए।

यह मंच है उन वीरों का, जो साहस से भरे,
सच की राह पर चलने का दम जो करे।
जिनकी ख़बरों से हिलती हुकूमत की बुनियाद,
और दबे-कुचले लोगों को मिलती फ़रियाद।

हर एक शब्द में जज़्बा है उनका,
हर एक रिपोर्ट में हौसला है उनका।
चाहे कितना भी हो सत्ता का पहरा,
न रुकेगी पत्रकारिता की यह गंगा बहती गहरा।

तो आओ करें इनका अभिनंदन,
हर रिपोर्टर को दें हम वंदन।
क्योंकि यही हैं लोकतंत्र की पहचान,
इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन की शान!

जहांगीर
कोलफील्ड मिरर

बुजुर्गों से मिली छोटी सीख, बहुत बड़ी तरक्की का रास्ता प्रशस्त कर देती है

माता-पिता, बूढ़े- बुजुर्गों की सेवा करना मत भूलो

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (उज्जैन): परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि आज तक अगर किसी को कोई चीज मिली तो सेवा के द्वारा मिली। आज बच्चे जब पढ़-लिख लेते हैं, नौकरी काम में लग जाते हैं, कागज का छपा-छपाया नोट जब उनको मिलने लग जाता है तो माता-पिता की सेवा को भूल जाते हैं। बजाए उनकी सेवा करने के, उन्हें घर से बाहर निकाल देते हैं। कहते हैं ये अनपढ़ हैं, ये कम पढ़ें लिखें हैं, ये हमारी सोसाइटी में बैठने के लायक नहीं हैं। लेकिन ये उनकी सबसे बड़ी भूल और भ्रम है। आपको बुजुर्गों के पास बैठना है, उनसे सीख लेनी है। उनसे मिली छोटी-छोटी सीख, बहुत बड़ी तरक्की का रास्ता प्रशस्त कर देती है। इसलिए अच्छी चीज ग्रहण करनी चाहिए।

सेवा में कमी कब आ जाती है?

सरकार ने बूढ़े-बुजुर्गों की पेंशन की व्यवस्था तो बनाई है। जब वे रिटायर होते हैं और सेवा निवृत होते हैं तो पैसा तो मिलता है लेकिन उनके खाने-पीने की, रहने की व्यवस्था ठीक से नहीं हो पाती है और इस स्वार्थ के समय में, स्वार्थ की दुनियां में जब पैसा कम आने लगता है तो घर में लोगों का भी मन खराब होने लग जाता है, क्योंकि पैसा कमाने का ही लोगों का उद्देश्य बन गया। बस पैसा आना चाहिए, चाहे कैसे भी आए। बहुत से लोग तो नीयत खराब कर देते हैं, यहां तक कि ईमान को भी बेच देते हैं, जो कितनी कीमती चीज है। जबान ही तो सब कुछ है, ईमान ही तो सब कुछ है लेकिन उसको भी पैसे के लिए बेच देते हैं। घर में जब पैसा आना कम हो जाता है, केवल पेंशन आती है तब पेंशन से ही लोगों की टेंशन बढ़ जाती है। फिर सेवा में कमी, देख-रेख में कमी, कर्तव्य को लोग भूल जाते हैं और तब बुजुर्ग, जो पहले पूरी तनख्वाह दे देता था, अब पेंशन में कंजूसी करने लगता है। तो बस, सेवा में कमी आ जाती है।

अपने कर्तव्य को समझो

लोग अपने कर्तव्य को समझें कि बुजुर्गों की हमको सेवा करनी है, माता-पिता की सेवा करनी है, घर में बूढ़े बुजुर्गों का सम्मान करना है, क्योंकि हमको भी एक दिन बूढ़ा होना है। यह बात याद रखें कि यह हमारा कर्तव्य है और हमको भी इसी स्टेज पर एक दिन आना पड़ेगा। बच्चों और बहुओं को तो यह कभी सोचना ही नहीं चाहिए कि हम इनकी सेवा न करें। सेवा खूब करो और सेवा से दिल को जीत लो, फिर वह जब यह सोच लेगा कि हमको रुपया पैसा इकट्ठा करने की जरूरत क्या है? तब आपके लिए अपना खजाना खोल देंगे। वह तो इसीलिए इकट्ठा करता है कि ये जो रोटी, पानी देते हैं वह भी अगर देना बंद कर दे तो हम कहीं होटल में चले जाएंगे, वहां रहने लगेंगे, किसी को भी पैसा दे देंगे तो वह रोटी बना देगा।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम "जयगुरुदेव"

किसी भी बीमारी, दुःख, तकलीफ, मानसिक टेंशन में शाकाहारी, सदाचारी, नशामुक्त रहते हुए जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव की ध्वनि रोज सुबह-शाम बोलिए व परिवार वालों को बोलवाइए और फायदा देखिए।

रेडियो का स्थान एक समय सर्वोच्च था

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: रेडियो पर बजते गीतों की कल्पना, राग, संगीत के साथ गायन की मधुरता कानो में मिश्री घोलती साथ ही साथ मन को प्रभावित भी करती है| गीतों का इतिहास भी काफी पुराना है| रागों के जरिए दीप का जलना, मेघ का बरसना आदि किवदंतियां प्रचलित रही है, वही गीतों की राग, संगीत के जरिए घराने भी बने है| गीतों का चलन तो आज भी बरक़रार है जिसके बिना फिल्में अधूरी सी लगती है| टी वी, सीडी, मोबाइल आदि अधूरे ही है| पहले गाँव की चौपाल पर कंधे पर रेडियो टांगे लोग घूमते थे| घरों में महत्वपूर्ण स्थान का दर्जा प्राप्त था| कुछ घरों में टेबल पर या घर के आलीए में कपड़ा बिछाकर उस पर रेडियों फिर रेडियों के ऊपर भी कपड़ा ढकते थे जिस पर कशीदाकारी भी रहती थी| बिनाका -सिबाका गीत माला के श्रोता लोग दीवाने थे| रेडियों पर फरमाइश गीतों की दीवानगी होती जिससे कई प्रेमी -प्रेमिकाओं के प्रेम के तार आपस में जुड़ जाते थे| वो गीतों में इतने भावुक हो जाते थे कि वे अपने आप को हीरो -हीरोइन समझने लगते थे| फिल्मो के शीर्षक भी रखे जाने लगे -गीत, गीत गाता चल, गीत गाया पत्थरों ने आदि। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने व् हेड फोन कानों में लगाकर गीत सुनने से भी दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है| क्योकि वाहन चालक का ध्यान मोबाइल सुनने में लगा रहता है| पीछे से हार्न देने वाले की सुनवाई भी नहीं होती| मोबाइल पर बातें व् गीत सुनने का शोक है तो तनिक रुक कर या घर जाकर भी तसल्ली सी गीत मोबाइल पर सुने जा सकते है और दुर्घटनाओं के आकड़ों में कमी करने में अपनी भूमिका अदा की जा सकती है| दूर कही सुनसान माहौल में बजता गीत वाकई कानों में मधुर रस आज भी घोल जाता है। गीत अब मोबाइल के संग जेबों में जा घुसे, गीतों में प्रतिस्पर्धा होने लगी। हर चैनल पर गायकों की प्रतियोगिता में अंक मिलने लगे।निर्णायकों की डॉट पढ़ने और समझाईश की टीप प्राप्त होने लगी| जिससे प्रतिभागियों के चेहरे पर उतार चढाव झलकने लगा। पृथ्वी पर देखा जाये तो गीतों को अमरता प्राप्त है। पृथ्वी पर कोई भी ऐसा देश नहीं है जहाँ गीतों का चलन न हो| वैज्ञानिकों ने गीतों को ब्रम्हांड में भी प्रेषित किया है ताकि बाहरी दुनिया के लोग इस संकेत को पकड़ सके। शादी -ब्याह में वाद्य यंत्रों के साथ गीत गाने का चलन बढ़ने लगा है। गीतों की पसंदगी व् हिस्सेदारी में हर कोई आगे आया है। पहले के ज़माने में बच्चे -बूढ़े सभी अंताक्षरी खेल कर अपने गायन कला का परिचय करवाने के साथ ही जीतने व् ज्यादा गीतों को याद रखने की कला को बखूबी जानते थे। गीतों में मधुरता जब ही प्राप्त होती जब बीमारियों की समस्याओं का त्वरित हल होता| रेडियो पर बजते गीत आज भी कितने गीत मन को छू जाते है| जो घर में बैठ कर इन गीतों को आप और हम आज जानते है।

संजय वर्मा "दृष्टि"
मनावर जिला -धार (म प्र)

लघुकथा: बेशकीमती

माँ सारा काम निपटा चुकी थी । दालान से लेकर सारे घर आंगन की झारा-बटोरी,हर छोटा-बड़ा काम जाड़ा हो या भीषण ताप, उन्हें तड़के उठ
सब सरटि से समेटना पसंद था ।
बात-बात पर मुँह फुलाने,नखरे दिखाने वाले,बहिसयाने ना-नुकुर करने वाले हम नटखट, हमें पता ही न चला कि कब हम बड़े हुए,ब्याहे गए । मानो निश्चिंत निद्रा के सुकून से किसी ने झकझोर कर उठा दिया हो ।
एक लंबी-गहरी सोच में डूबी हुई नेहा बेसुध,खिड़की से दूर आसमान को निहार रही थी तभी पीछे से आवाज आई -'माँ कुछ खाने का दे दो न ।'

भावना 'मिलन'
अध्यापिका, लेखिका, मोटिवेशनल स्पीकर
कोलफील्ड मिरर

पदोन्नत व्याख्याता काउन्सलिंग की नवीन तिथि घोषित करने की मांग

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (शिवगंज): राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर आशीष मोदी को ज्ञापन भेजकर पदोन्नत व्याख्याता काउन्सलिंग में तकनिकी कारणों से नवीन तिथि का कार्यक्रम जारी करने की मांग की है।

संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने ज्ञापन में बताया कि पदोन्नत व्याख्याता काउन्सलिंग की तिथि 6 से 11 फरवरी 2025 तक ऑन लाईन स्टाफ लॉगइन से स्थान चयन का ऑप्सन भरना था लेकिन बडे खेद का विषय हैं कि तकनिकी कारणों से अधिकांश जिलों में पासवर्ड भरने एवं केपेचा ऐनट्री का के बाद सबमीट का ऑप्सन नही आने से राज्यभर के पदोन्नत व्याख्याता में संचय एवं पेशोपेश की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जिससे हजारो व्याख्याता ऑप्सन भर ही नहीं पाये है। ऐसे में विभाग द्वारा नवीन तिथि की घोषणा में हो रहे विलम्ब से पदोन्नत व्याख्याताओं में उहापोह की स्थिति उत्पन्न हो रही है। विभाग को नवीन तिथि की घोषणा कर हजारो पदोन्नत व्याख्याताओं को न्याय प्रदान किये जाने की संगठन ने मांग की।

सोशल मीडिया पर फैलती गंदगी- सफाया जरूरी

निक्की शर्मा रश्मि

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: सोशल मीडिया पर फैलती गंदगी दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। अभद्रता के साथ मर्यादा ताक पर रख रहे लोगों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर गंदगी फैलाने वालों पर नियंत्रण जरूरी है। हमारे समाज में माँ, पिता का दर्जा भगवान का है इस पर अभद्र टिप्पणी करने वालों पर सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है। मां पिता जैसे रिश्तो की मर्यादा को तार-तार करने वालों पर भारत सरकार को एक्शन लेना जरूरी है। समाज से हम हैं और हमसे समाज इसलिए गलत चीजें परोसी जा रही तो लगाम जरूरी है। आने वाली पिढियों पर क्या असर होगा कहने की जरूरत नहीं बस समझने की जरूरत है। अश्लीलता परोस कर पैसे कमाना, कॉमेडी के नाम पर माँ बहन को जलील करना, अपने आप को लाइमलाइट में रखना कहां तक उचित है?

स्वतंत्रता का मतलब कुछ भी कहना कुछ भी करना, बोलना नहीं है। मर्यादा है और इसका ख्याल रखना भी जरूरी है। कानूनी कारवाई ऐसे कंटेंट पर जरूरी है ।युवा पीढ़ी सनातन धर्म ,आध्यात्मिकता को समझने का प्रयास भी कर रही है लेकिन सोशल मीडिया पर अश्लीलता परोसती कंटेंट को इस तरह लोगों की मानसिकता के साथ खेलना सही नहीं है ।अच्छी बातें समझने और बताने की बजाय इस तरह मानसिकता के साथ जो अश्लीलता हर घर में ऑनलाइन के माध्यम से परोसा जा रहा वह हमें कहां ले जा रहा है इसका क्या भविष्य है आगे सोचने की जरूरत है। अश्लीलता को बढ़ावा देने वालों में साफ सुथरे समाज को रखने की जिम्मेदारी खत्म ही हो गई है।

कॉमेडी के नाम पर फुहड़ता, अश्लीलता मानवता के स्तर को गिराता जा रहा है। सोशल मीडिया युवाओं पर सबसे ज्यादा असर डालती है ।पूरी जीवन शैली प्रभावित हो रही है। अश्लीलता का जहर युवाओं के मानस पटल मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। जिस तरह के कंटेंट परोसे जा रहे हैं उस पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए।

अश्लीलता के आड़ में युवाओं के मासिक स्वास्थ्य के साथ खेला जा रहा है। पढ़ने लिखने और कैरियर बनाने की उम्र में अश्लीलता भरी बातें सुन रहे हैं भद्दे भद्दे कंटेंट देख रहे हैं। अश्लील सामग्री से सोशल मीडिया भरा परा है।

इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए इस पर प्रतिबंध होना चाहिए।इस गंदगी से समाज गंदा हो रहा है। आने वाली पीढ़ी पर असर साफ दिखता है जो समय के समाज के हित में नहीं है। अश्लीलता पर अब सरकार को ठोस कदम उठाने और इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं अनेक प्रकार के कंटेंट देखने को मिलते हैं। अच्छे कंटेंट भी हैं और अश्लीलता से भरें भी।अश्लीलता भरे कंटेंट पर लगाम लगाने की जरूरत है क्योंकि नहीं चाहते हुए भी कई बार ऐसे कंटेंट हमारे सामने आते हैं जो जानबूझकर युवाओं को आकर्षित करने का तरीका है। इस तरह के कंटेंट पर विरोध होना ही चाहिए।

आशा है सरकार सख्त फैसला समाज के हित में लेगी। धीरे-धीरे फैलती जा रही इस गंदगी को साफ करने का ठोस प्रयास सिर्फ सरकार के पास है ताकि आने वाली पीढ़ी साफ सुथरे समाज के साथ मर्यादा में अपने परिवार के साथ रह सके ,बैठ सके। समाज में गंदगी फैलाने वालों का सफाई जरूरी है। सोशल मीडिया पर जितने भी नकारात्मक कंटेंट डाले गए हैं उन सब पर कार्रवाई होनी चाहिए और उन सब का सफाया होना चाहिए। अश्लीलता फैला कर समाज के युवा पीढ़ी को बर्बाद करने की पूरी तैयारी ऐसे लोग जो कर रहे हैं उन पर ठोस कदम उठाया जाए।

भारतीय संस्कृति आदर्श सम्मान का जो भाव था वह कहां जा रहा है, मां-बाप बहन पर अभद्र टिप्पणी शर्मनाक है। विनम्रता, प्रेम, आदर्श समाप्त होती जा रही है। युवा पीढ़ी को साफ और सुंदर समाज मिले इसके लिए अश्लील और भड़काऊ कंटेंट पर तुरंत कार्रवाई होनी ही चाहिए।

विशाल फाउंडेशन की युवा प्रेरित पहल "माध्यम" का शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (प्रयागराज): महाकुम्भ के पावन शाही स्नान के अवसर पर विशाल फाउंडेशन ने अपनी नवीनतम पहल "माध्यम" का शुभारंभ किया। यह एक सामाजिक मुहिम हैं। जिससे अवगत कराते हुए संस्था के प्रवक्ता ने बताया कि "माध्यम" पहल का उद्देश्य सनातन धर्म के शाश्वत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु का निर्माण करना हैं। जिससे हमारी प्राचीन परंपरा युवाओं समेत आम जनता तक सुलभ हो सकें। सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु स्वामी संतोषानंद गिरी महाराज (पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के योग गुरु) ने उपस्थित होकर योग, आयुर्वेद तथा अन्य प्राचीन विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्वामी संतोषानंद गिरी महाराज ने विशाल फाउंडेशन की इस पहल की गहरी सराहना करते हुए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी प्रदान किया। पूजनीय श्री श्री १००८ महामंडलेश्वर डॉ स्वामी उमाकांतानंद सरस्वती महाराज ने भी इस आशीर्वाद समारोह में शिरकत की और इस मुहिम को पुरजोर तौर पर आगे बढ़ाने के लिए अपना विशेष आशीर्वाद भी दिया। अंतर्राष्ट्रीय संत परमपूज्य गुरुदेव महामनीषी स्वामी निरंजन महाराज- पीठाधीश्वर पुरुषार्थ आश्रम (हरिद्वार) ने "वसुधैव कुटुंबकम" के संदेश को दोहराते हुए यह बताया कि सनातन धर्म सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार में परिवर्तित करने की अद्भुत क्षमता रखता है, परंतु इसके लिए हिन्दू एवं हिंदुत्व को जड़ता से दूर होना होगा।

इसी मौके पर मौजूद साध्वी देवी विष्णुप्रिया ने जोर देकर कहा कि 21वीं सदी में भारत को विश्वगुरु बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। काशी के प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य अरविंद मिश्रा ने "माध्यम" पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रयास से युवाओं में हमारे प्राचीन धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे दिव्य ऊर्जा के प्रभाव से अवगत हो सकेंगे, जिससे ज्योतिष का सही महत्व लोगो के बीच पहुंचेगा और ये बड़े व्यापक रूप से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचाएगा। विशाल फाउंडेशन के अध्यक्ष विक्की सिंह दसौंधी ने समारोह में विस्तृत परिचय देते हुए बताया कि वर्षों की शोध एवं प्रयास के पश्चात "ज्ञान अमृत" को आम जनता के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि "माध्यम" पहल के अंतर्गत हिंदू धर्म के छिपे हुए और अत्यधिक ऊर्जावान मंदिरों एवं मठों की पहचान,नवीनीकरण एवं प्रचार-प्रसार का भी महत्त्वपूर्ण कार्य किया जाएगा। ज्ञान गंगा को जारी रखते हुए संस्था की चेयरपर्सन सोनी दसौंधी ने कहा कि इन पवित्र स्थलों की दिव्य ऊर्जा का उपयोग मानवों की मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं के उपचार हेतु किया जाएगा, जिससे अनजान जनता भी इस अद्भुत ऊर्जा के लाभ से रूबरू हो सकेगी। सम्मेलन में विशाल फाउंडेशन के सचिव लालित कुमार ने "माध्यम" पोर्टल की प्रमुख विशेषताओं का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही वेबसाइट लाइव हो जाएगी, जिससे विश्व के किसी भी कोने से आम लोग उन पवित्र स्थलों पर पूजा बुक कर सकेंगे, जो पहले केवल विशिष्ट वर्ग तक सीमित थे।

बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं का नेतृत्व कर रहे विक्रांत रावल ने भी सभी युवाओं की ओर से मुहिम का स्वागत किया। समारोह के समापन पर आर.डी. सिंह (पूर्व सलाहकार, भारत सरकार) ने इस युवा प्रेरित पहल की सफलता का पूर्वानुमान व्यक्त किया।

संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (निरसा): बुधवार को एगारकुंड प्रखंड अंतर्गत एगारकुंड दक्षिण पंचायत के नीमडंगाल गांव में संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह के अवसर पर मुखिया अजय कुमार राम की मौजूदगी में ग्रामीणों के साथ बड़े धूम धाम से मनाया गया।वहीं मौके पर प्रसाद के रुप में खिचड़ी का वितरण किया गया। ग्रामीणों में टुनटुन रविदास गोपाल रविदास रणधीर शर्मा हेमलाल बाउरी मधुसूदन बाउरी छवि बाउरी अन्य मौजूद थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

राजनैतिक पार्टियों की हार, जीत और उनकी भूमिका

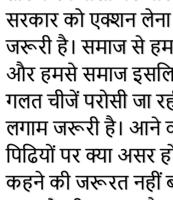

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: लोकतंत्र में राजनैतिक दलों की जीत जनता का जनादेश मानी जाती है, लेकिन यह सवाल भी उठता है कि क्या हर राजनैतिक दल वास्तव में जनता की इच्छा को समझता है या फिर वह सिर्फ अपने हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करता है। राजनैतिक दलों की भूमिका न केवल सरकार बनाने और चलाने में होती है, बल्कि वे लोकमत का निर्माण, नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखने, कानून निर्माण में भूमिका निभाने, सरकार का निर्माण और संचालन करने, और विरोधी पक्ष की भूमिका निभाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन यह भी सच है कि राजनैतिक दल अक्सर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते रहते हैं और अपने हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हैं। यह स्थिति न केवल देश के विकास को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र की गरिमा को भी कम करती है। इसलिए, यह जरूरी है कि राजनैतिक दल अपने हितों से ऊपर उठकर देश के विकास और लोकतंत्र की गरिमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्हें एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और देश के विकास के लिए सामंजस्य बनाना चाहिए।

डॉ. मुश्ताक अहमद, शाह हरदा मध्य प्रदेश.

एमपी में भिक्षावृत्ति एक रोजगार की तरह, इसे बेन किया जाए

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: इन दिनों हमारे प्रदेशमें भिक्षावृत्ति एक रोजगार की तरह फैलती जा रही है कारण प्रदेश के लगभग हर छोटे बड़े शहर में भिखारी एक शोक की तरह भीख मांगने को एक रोजगार बनाकर गली गली भीख मांगते नजर आते हैं। यही नहीं शहर के प्रमुख चौराहों पर भिखारी सुबह नो बजे से लेकर शाम छे बजे तक लगातार शिफ्ट में भीख मांगते नजर आते हैं। फिर यह लोग खाने के बजाय नगद राशि लेना पसंद करते हैं, यही कारण है कि इस जिद के कारण आज इन भिखारियों के कारण आम नागरिक भी परेशान है, क्योंकि कई बार ये भिखारी जनता के भीख न देने पर असभ्यता से भी व्यवहार करते हैं। यही कारण है आज प्रदेश के कुछ महानगरों राजधानी भोपाल सहित इंदौर जैसे कई बडे शहरों में आज के समय भिक्षावृक्ति बेन कर दी गई है। आज ये भिखारी भीख मांग कर धनवान एवं संपन्न भी हो गए हैं। आज इनके पास अपना राशन कार्ड भी है जिस पर इन्हें फ्री अनाज भी मिलता है। आज इनकी भीख मांगने की आदत से सभी परेशान है। कई जगह इन पर कैस भी किया गया है। आश्चर्य है कि कई भीख मांगने वाले सुबह भीख मांगने के बाद फिर दिन में रोजगार भी करते पाए गए हैं।

एमएम राजावत "राज"
न्यू रोड, शाजापुर

करें उम्मीद क्या तुमसे

करें उम्मीद क्या तुमसे, हमें यकीन नहीं तुम पर।
तुम्हें तो अहम है बहुत ही, हसीन अपनी सूरत पर।।
करें उम्मीद क्या तुमसे-----।।

वफ़ा हम क्यों करें तुमसे, प्यार है तुमको किसी से।
खुद को लुटाये हम तुम पर, करो उम्मीद नहीं हमसे।।
तुमपे कुर्बान क्यों हम हो, तुम हो कुर्बान किसी पर।
तुम मांगो उसी से जां, लुटायेगा वह जां तुम पर।।
करें उम्मीद क्या तुमसे-----।।

बहुत इसरार तेरा किया, हमपे यकीन हो तुमको।
कह सके तुम यह कि, इतना ही चाहते हैं तुमको।।
मगर समझा नहीं तुमने, हमारा दिल- ओ- जज्बात।
बन गए उसके तुम हमराह, नहीं तुम्हारा जो हमसफर।।
करें उम्मीद क्या तुमसे-----।।

शिकायत कोई नहीं तुमसे, हम तो इतना ही कहते हैं।
करो चेहरों पे नहीं यकीन, चेहरें तो पल में बदलते हैं।।
हमारी नहीं है जरूरत, किसी की सूरत और दौलत।
तुम्हारे बहके हैं कदम, दौलत किसी की देखकर।।
करें उम्मीद क्या तुमसे-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

ऋतुराज वसंत

तुम्हारी सुंदरता अनोखी है, ऋतुराज वसंत।
प्रकृति की नई शुरुआत है, ऋतुराज वसंत।
नव जीवन का प्रतीक है सुनो, ऋतुराज वसंत।
पेड़ों पर पत्ते सज आए आया ऋतुराज वसंत।
फूल खिलते हैं, मन भावन से, ऋतुराज वसंत।
प्रकृति सौंदर्य, सजी हुई, आया ऋतुराज वसंत।
आशा और नवीनता, जीवन की ऋतुराज वसंत।
नई शुरुआत का प्रतीक है, देखो ऋतुराज वसंत।
तुम्हारी सुंदरता हमें प्रेरित करती ऋतुराज वसंत।
मौसम, सुहावना, मधुर बनाता ऋतुराज वसंत।
सबके मन खिल जाते, जो आता ऋतुराज वसंत।
प्रकृति का, आनंद लेलो, मुस्काता ऋतुराजवसंत।
प्रेरणा तुम इससे लेलो, प्यारा सा ऋतुराजवसंत।
त्योहार, उत्सव भी लाता, आता ऋतुराज वसंत।
नई फसल में बाली, आती, हंसता ऋतुराज वसंत
आशाओं,समृद्धि का प्रतीक है,ऋतुराज वसंत।
तुम्हारी सुंदरता है, मन को भाती, ऋतुराज वसंत।
प्रकृति की सुंदरता और नवीनता ऋतुराज वसंत।

डॉ. मुश्ताक अहमद
शाह हरदा मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

कल्पवास: आध्यात्मिक चेतना के उत्कर्ष का साधना पथ

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: तीर्थराज प्रयागराज में सतत प्रवाहित सदानीरा सुरसरि मां गंगा के अंचल में चमकती सिलेटी रेती में प्रत्येक वर्ष माघ महीने में पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने की प्राचीन परम्परा अद्यावधि गतिमान है। कल्पवास बारह वर्षों की एक अविराम सात्विक साधना है जो एक महाकुंभ से आरंभ होकर दूसरे महाकुंभ में पूर्ण होती है। कल्पवास के पूर्ण होने पर उद्यापन अंतर्गत श्रीमद्भागवत पुराण कथा श्रवण, तीर्थ पुरोहित को शैय्या दान एवं भंडारा करने का लोक विधान है। वास्तव में कल्पवास व्यक्ति द्वारा आत्म साक्षात्कार कर आध्यात्मिक मनीषा के उत्कर्ष का साधना पथ है, सात्विक वृत्तियों के जागरण का काल है। व्यष्टि से समष्टि की कल्याण-कामना की विशेष अनुभूति है, प्रतीति है। कल्पवास व्यक्ति की सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना के परिष्कार की अंतर्यात्रा है, दैहिक संस्कार-शोधन एवं परिमार्जन की हितकारिणी विधा है। कल्पवास पुण्यार्जन की पुनीत कथा है तो संयमित जीवन जीने की कमनीय कला भी। सहकार एवं समन्वय दृष्टि का उन्मेष है, नवल सर्जना को आतुर-उत्कंठित अनिर्वचनीय आग है तो जड़-चेतन के प्रति आनंद, अभिनंदन एवं आत्मीयता का मधुर राग भी। कह सकते हैं, कल्पवास सुप्त मानव मन में दैवत्य जाग्रत कर साहचर्य एवं सायुज्यता का मृदुल सुवासित आगार है, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता-आभार है।

पाठकों के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि कल्पवास क्या है, कल्पवास करने के नियम क्या है, इस एक मास की अवधि में दिनचर्या क्या होती है? मैं इस समय महाकुंभ में कल्पवास कर रहा हूं। प्रस्तुत लेख में कल्पवास पर अनुभवजन्य विचार रखने का प्रयत्न करता हूं। कल्पवास का परम लक्ष्य मोक्ष की कामना है। कल्पवास करने से एक कल्प अर्थात् ब्रह्मा के एक दिन के बराबर तप एवं दान-दक्षिणा का पुण्यफल प्राप्त होता है। हिंदू काल गणना में निमेष लघुतम तथा कल्प महत्तम इकाई है। सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग को मिलाकर चतुर्युग कहते हैं। 71 चतुर्युग से एक मन्वंतर बनता है, जिसका स्वामी मनु कहलाता है। 14 मन्वंतरों के योग से एक कल्प का समय निर्धारण होता है जो ब्रह्मा का एक दिन कहलाता है। वर्तमान में 7वां मन्वंतर वैवस्वत मनु चल रहा है। तो एक महीने कल्पवास करने से 14 मन्वंतरों में किए गये दान, जप, तप आदि के बराबर फल मिलता है और सभी पापों का क्षय हो जाता है।

एक कल्पवासी की दिनचर्या साधना एवं तपश्चर्या की होती है। ब्रह्ममुहूर्त में जागरण, दिन में तीन बार गंगा स्नान, केवल एक बार भोजन, सायंकल फलाहार करना, अपने आवासीय तम्बू के द्वार पर जौ बोना तथा तुलसी माता का नियमित पूजन करना। जप, श्रीमद्भगवद्गीता एवं श्रीरामचरितमानस का नित्य पाठ, भूमि पर शयन। कल्पवासी का आरम्भ और अंत में क्षौर-कर्म आवश्यक है। अपराह्न में रुचि अनुसार संतों का दर्शन एवं कथा श्रवण करना और संध्याकाल में दीप -आरती कर भगवन्नाम स्मरण करते हुए शयन करना। इस अवधि में सरसों का तेल, अरहर की दाल, लहसुन-प्याज, मूली-गाजर, बैंगन का उपयोग निषेध है। माघ पूर्णिमा के दिन जौ से उपजे जवारे लेकर गंगा घाट पर सिराना, 365 बाती बना तिल के तेल में भिंगो एक साथ दीपक तैयार कर आरती-पूजन के साथ मां गंगा से मनोकामना पूर्ति हेतु प्रार्थना और मास पर्यंत हुई त्रुटियों के लिए क्षमा याचना की जाती है। घर जाने से पहले अपने तम्बू में एक स्थान लीपकर घी का दीप जला शीश नवा अगले वर्ष पुनः आने की भावना के साथ अपने तीर्थ पुरोहित पंडा जी को यथेष्ट धन-धान्य अर्पित कर प्रस्थान करते हैं। निश्चित रूप से कल्पवासी एक महीने पश्चात् स्वयं में आशातीत बदलाव महसूस करता है। कल्पवास की यह परम्परा सामाजिक सद्भाव एवं सौहार्द के सौंदर्य में वृद्धि करती रहेगी, यही मंगल कामना है।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उ.प्र.

सृजन के नीरव, महादेव और सीमा सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (विशाखापटनम): यहां दो दशकों से अधिक समय से सक्रिय हिंदी साहित्य संस्था सृजन के तीन साहित्यकारों का सम्मान राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उत्तर प्रदेश द्वारा उनके हिंदी सेवा के लिए विशाखापटनम में कल आयोजित भव्य कार्यक्रम में किया।

संस्थान की पदाधिकारी डॉ. रश्मि शील और डॉ अनामिका श्रीवास्तव तथा नराकास (उपक्रम), विशाख के सदस्य सचिव डॉ लालन कुमार द्वारा आंध्र प्रदेश जैसे हिंदीतर क्षेत्र में हिंदी साहित्य का अलख जगाने वाली संस्था सृजन के अध्यक्ष, व्यंग्यकार, कवि नीरव कुमार वर्मा, सृजन के सचिव प्रसिद्ध व्यंग्यकार, कवि, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त डॉ टी. महादेव राव, कहानीकार और कवयित्री तथा सृजन की वरिष्ठ सदस्या सीमा वर्मा का उत्तरीय और शाल ओढ़ाकर, राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न देकर उनका अभिनंदन किया।

ज्ञातव्य है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), विशाखापटनम और उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी और काव्यगोष्ठी में इस सम्मान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी, हिंदी साहित्यकार उपस्थित थे।

एआई एक्शन समिट फ्रांस व ट्रंप से द्विपक्षीय वार्ता के दूरगामी सकारात्मक परिणाम आने की संभावना

दुनियाँ देखेगी जब मिल बैठ चर्चा करेंगे दो बॉस-फ्रांस अमेरिका यात्रा 10-14 फ़रवरी 2025

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर भारत के बढ़ते रुतबे व प्रतिष्ठा में एक और अध्याय जुड़ गया है, जब माननीय भारतीयपीएम ने एआई एक्शन समिट में आगाज़ हुआ। बता दें भारतीय पीएम 10 से 14 फरवरी 2025 को फ्रांस व अमेरिका के अधिकृत यात्रा पर हैं जिसमें 10 से 12 फ्रांस व 12 से 14 फरवरी 2025 तक अमेरिका यात्रा पर हैं, जहां वह डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे इस दौरे के दौरान,पीएमअमेरिकी बिजनेस लीडर्स और भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मिलेंगे। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब अमेरिका ने हाल ही में 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को डिपोर्ट किया है, यह पीएम और ट्रंप की आठवीं मुलाकात होगी। इनकी पहली मुलाकात 26 जून 2017 को वॉशिंगटन में हुई थी, जबकि सातवीं मुलाकात 24-25 फरवरी 2020 को अहमदाबाद में हुई थी। उम्मीद है कि दोनों के बीच व्यापार और रक्षा सहयोग पर चर्चा महत्वपूर्ण होगी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा बाद में होगी, हालांकि रक्षा सहयोग पर चर्चा से दोनों देशों के संबंधों को मजबूती मिलेगी। अमेरिका ने भारत से निष्पक्ष व्यापार संबंध बनाए रखने के लिए अमेरिकी निर्मित सुरक्षा उपकरण खरीदने की मांग की है। ट्रंप ने भारत पर दबाव डाला है कि वह अमेरिका से अधिक सुरक्षा उपकरण खरीदे हालांकि, ट्रंप ने कई मौकों पर भारतीय पीएम की प्रशंसा भी की है, जिससे यह उम्मीद बनती है कि दोनों देशों के बीच अनुकूल व्यापार समझौता हो सकता है।ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली अमेरिका यात्रा को पीएम ने द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाने का अवसर करार दिया। पीएम ने फ्रांस रवाना होने से पहले कहा कि इस यात्रा से प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के क्षेत्रों सहित अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी को और ऊपर उठाने और गहरा करने के लिए एक एजेंडा विकसित करने में भी मदद मिलेगी। फ्रांस में वे एआई एक्शन समिट की सह- अध्यक्षता करेंगे। वे फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने और अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर परियोजना का दौरा करने के लिए मार्सिले भी जाएंगे। फ्रांस के बाद वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर यूएसए की दो

दिवसीय यात्रा पर जाएंगे।चूँकि दुनियाँ में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा में फ्रांस अमेरिका यात्रा से एक और अध्याय जुड़ गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुनियाँ देखेगी जब बिल बैठे चर्चा करेंगे दो बॉस।

साथियों बात अगर हम माननीय भारतीय पीएम की फ्रांस अमेरिका यात्रा पर रवाना होने पर पीएम के बयान की करें तो,उन्होंने कहा कि हम दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनियाँ के लिए बेहतर भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मेरे पास भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के निर्माण में उनके पहले कार्यकाल में एक साथ काम करने की बहुत अच्छी यादें हैं। वहीं,फ्रांस यात्रा को लेकर पीएम ने कहा कि वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हैं। इसमें वे समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार और व्यापक सार्वजनिक भलाई के लिए एआई प्रौद्योगिकी के सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत- फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए 2047 के रोडमैप पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर भी होगी। साथ ही पीएम ने यह भी बताया कि मैं मजारगुएस युद्ध कब्रिस्तान में उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा जिन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा,वो विश्व के नेताओं और वैश्विक प्रौद्योगिकी सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) के एक सम्मेलन एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हैं, जहां वे समावेशी,सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार एवं व्यापक सार्वजनिक कल्याण के लिए एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) प्रौद्योगिकी को लेकर सहयोगी दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे पीएम ने कहा,दो देशों की मेरी यह यात्रा मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए 2047 होराइजन रोडमैप पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी, वैश्विक कल्याण को लेकर ऊर्जा के दोहन से संबंधित इस विश्व संघ के फ्रांस और भारत सदस्य हैं।पीएम ने कहा,मैं प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मजारग्यूज वॉर सिमेट्री का भी दौरा करूंगा।पीएम ने अपनी यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा,अगले कुछ दिनों में मैं विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए फ्रांस और अमेरिका में रहूंगा। फ्रांस में मैं एआई एक्शन समिट में हिस्सा लूंगा, जहां भारत सह-अध्यक्ष है। मैं भारत-फ्रांस संबंधों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत करूंगा। हम वहां वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने के लिए मार्सिले भी जाएंगे।यह यात्रा भारत- अमेरिका की दोस्ती को मजबूत करेगी और विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देगी। मुझे प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ उनके पहले कार्यकाल के दौरान काम करना अच्छी तरह याद है। मुझे यकीन है कि हमारी बातचीत उस समय की गई चर्चाओं पर आधारित होगी।वे 10 फरवरी को पेरिस पहुचे। शाम को राष्ट्रपति मैक्रों की ओर से एलिसी पैलेस में सरकार और राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में आयोजित डिनर में शामिल हुए।डिनर में तकनीकी क्षेत्र के कई सीईओ और शिखर सम्मेलन में आमंत्रित अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों के भी शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।पीएम की अमेरिका यात्रा अमेरिका से 100 से अधिक भारतीयों को अमानवीय तरीके से वापस भेजे जाने के मामले पर राजनीतिक विवाद के बीच हो रही है।पिछले सप्ताह एक विशेष ब्रीफिंग में विदेश सचिव ने कहा कि पीएम की यात्रा इस महत्वपूर्ण साझेदारी को और दिशा व गति प्रदान करेगी। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण के कुछ सप्ताह बाद उनके निमंत्रण पर पीएम की अमेरिका यात्रा भारत-अमेरिका साझेदारी के महत्व और अमेरिका में इस साझेदारी को मिल रहे द्विदलीय समर्थन को भी दर्शाती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दुनियाँ देखेगी जब मिल बैठ चर्चा करेंगे तो बॉस-फ्रांस अमेरिका यात्रा 10-14 फ़रवरी 2025।एआई एक्शन समिट फ्रांस व ट्रंप से द्विपक्षीय वार्ता के दूरगामी सकारात्मक परिणाम आने की संभावना।दुनियाँ में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा में फ्रांस अमेरिका यात्रा से एक और अध्याय जुड़ा।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

जाति नहीं, कर्म ही महान: संत रविदास की युगांतरकारी वाणी

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी (बड़वानी/म.प्र.): संत रविदास जयंती मात्र एक तिथि नहीं, यह सामाजिक न्याय, आध्यात्मिक जागरण और मानवीय मूल्यों के पुनर्जन्म का अद्वितीय अवसर है। यह दिवस उस महान संत के जीवन और विचारों को स्मरण कर, उनके प्रज्वलित मार्ग पर चलने की अपूर्व प्रेरणा प्रदान करता है, जिन्होंने अपने ओजस्वी वचनों से जातिगत भेदभाव और संकीर्णता के गहन अंधकार को चीर कर, समता और सहिष्णुता का उज्ज्वल प्रकाश व्याप्त किया। संत रविदास भारतीय संत परंपरा के एक अमूल्य रत्न थे, जिनकी वाणी में भक्ति की मधुरता और समाज सुधार की तीव्रता एक साथ संगमित होती थी। उन्होंने अपने ज्ञान और साधना के द्वारा मनुष्यता को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराया, सिद्ध किया कि मनुष्य का खरा मूल्य उसके जन्म में नहीं, बल्कि उसके कर्म और आचरण में निहित होता है। वाराणसी की पुण्यभूमि पर जन्मे इस महापुरुष ने यह सिद्ध कर दिया कि मनुष्य की पहचान उसके कर्म और आचरण से होती है, न कि उसकी जाति या जन्म से।

जातिगत कुरीतियों से मुक्त समाज के स्वप्न को साकार करने के लिए, भारतीय समाज के दिव्य पुरुष और अप्रतिम समाज सुधारक संत शिरोमणि रविदास ने अपने दोहों और भजनों के माध्यम से समाज को जागृत किया। उनकी अमर वाणी- "प्रभु जी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी" प्रेम और समर्पण का अपूर्व संदेश देती है। वे आध्यात्मिक चेतना के शिखर पर स्थित थे, जहाँ से समता, करुणा और सहिष्णुता की अविरल धारा प्रवाहित होती थी। उनके शब्दों में ऐसी शक्ति थी कि वे कठोरतम हृदय को भी मोम की तरह मुलायम बना देते थे। वे सामाजिक बंधनों के विरुद्ध निरंतर संघर्षरत रहे और समाज को समानता का दिव्य संदेश प्रदान किया।

भक्ति आंदोलन के इस महान प्रवर्तक ने निर्गुण भक्ति के माध्यम से समाज में प्रेम और आध्यात्मिक जागृति की नदी बहाई। वे उस विचार के अटल समर्थक थे कि ईश्वर मंदिरों या मूर्तियों में नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के हृदय में व्याप्त है। उनकी वाणी सामाजिक समानता और आत्म-ज्ञान का प्रकाश फैलाती है। उन्होंने "बेगमपुरा" की दिव्य कल्पना प्रस्तुत की – एक ऐसा स्वर्ग जहाँ भेदभाव, पीड़ा और हीनता का नामोनिशान नहीं। यह केवल एक स्वप्न नहीं, बल्कि समतामूलक समाज की एक पवित्र संकल्पना थी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हो और किसी को भी जन्म के आधार पर हेय दृष्टि से न देखा जाए।

संत रविदास का जीवन त्याग, तपस्या और लोककल्याण की अद्भुत मिसाल है। वे कबीर, तुलसी, सूर और मीरा जैसे महान संतों की श्रेणी में उच्च स्थान रखते हैं। उनकी अमृतमयी वाणी ने समाज को नई दिशा दी और जन-जन को प्रेम, भक्ति और मानवता का संदेश दिया। उनकी रचनाएँ आज भी लोगों को सत्य, समरसता और ईश्वर-भक्ति की राह दिखाती हैं। उनकी सरल और सहज भाषा में व्यक्त विचार न केवल आध्यात्मिक चेतना जागृत करते हैं, बल्कि समाज में समता और सद्भाव की भावना भी प्रेरित करते हैं।

उनकी शिक्षाओं का प्रभाव मात्र धार्मिक और आध्यात्मिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विमाओं पर भी अत्यंत गहरा और व्यापक रूप से पड़ा। उन्होंने कर्म को सर्वोपरि ठहराया और कहा कि व्यक्ति की असली पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके कार्यों से निर्धारित होती है। यह शिक्षा आज भी सामाजिक समरसता के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि सच्चा धर्म मानवता की सेवा में ही है, न कि बाहरी क्रियाकलापों में। उनका जीवन हमें शिक्षित करता है कि सच्ची भक्ति वही है जो मनुष्य को निर्भीक, दयालु और परोपकारी बनाए।

संत रविदास के विचार अनंत काल तक मानवता का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके उपदेश यह सिखाते हैं कि प्रेम, सहानुभूति और परोपकार की शक्ति से समाज को सशक्त किया जा सकता है। उनकी साधना, उनके विचार और शिक्षाएँ आज भी समाज में समानता और भाईचारे की ज्योति जलाए हुए हैं। हमारा कर्तव्य है कि उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाकर एक ऐसे समाज की सृष्टि करें जहाँ प्रेम, करुणा और सहिष्णुता का विस्तार हो। संत रविदास के संदेश हमें हर परिस्थिति में सत्य, प्रेम और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, और यह प्रेरणा सदैव अमर रहेगी।

प्रो. आर.के. जैन "अरिजीत"

दिल्ली में "झाड़ू" चल गई हे प्रभु हे जाग्नाथम प्रेमा नंदी यह क्या हो गया?

कोलफील्ड मिरर 13 फरवरी 2025: अभी हाल ही में दिल्ली दूर नहीं के संपन्न हुए चुनाव में आप पार्टी के कद्दावर नेताओं को बड़े भयानक तरीके से डरावने चेहरे का सामना करना पड़ा इस "हार" को लेकर कई लोगों के "हाथ" में हार हार की तरह रह गए और अधिक से अधिक संख्या में "फुल" को लेकर वो हाउसफुल हों गए ऐसी स्थिति को देखते हुए आम भारतीय जनता की तरह फिल्मी जगत भी हैरान हैं, परेशान है क्योंकि, फ़िल्मीकार ऐसे त्वरित विषय पर तुरन्त फिल्म बनाकर अपनी फिल्मों के माध्यम से समाज को किसी ने किसी प्रकार से कुछ संदेश देना चाहते हैं कि आप के साथ आखिरी क्या क्या हो रहा है? कैसे हुआ? इसके पीछे किसका हाथ है? आओ इसका पता लगे? आदि आदि सवालों पर आप की जिज्ञासा को संतुष्टिपूर्ण करते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसा कहते हैं फिल्म और समाज दोनों एक दूसरे के पूरक है अर्थात साधारण शब्दों में कहूं तो नेता और मतदाता दोनों ही समाज की, देश की, व्यक्ति की दशा और दिशा बदलने की ताकत रखती और फिल्मों में ऐसा ऐसा दिखाया जाता है जों हमें दिखाई नहीं देता है। कहीं ना कहीं हकीकत तो है मैंने आपकी तरह ही सच को सच ही कहा है और झूठ को झूठ ही कहा।

दिल वाले की दिल्ली मे उसको चुनाव में मिली पराजय विषय को लेकर पिछले दिनों फिल्मी निर्माता "डॉन मनमोहन बा" का मेरे पास फोन आया उन्होंने कहा कि मिस्टर फर्ज़ी पी एच डी तुरंत मुझे इस विषय पर फिल्म बनाना है जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उतनी ही तेज गति से फेंकना है जितनी तेज गति से नेता चुनाव के समय वादे , घोषणाएं, योजनाएं , रेवड़ियां, लॉलीपॉप बांटते हुए नजर आते हैं। डॉन मनमोहन बा ने मुझे सांस लेने का भी समय नहीं दिया उन्होंने मुझे फोन पर ही फिल्म के नाम रखने के लिए कुछ नाम पूछे तो मैं भी आनन-फानन में आव देखा न ताव मतदाता की तरह ईवीएम मशीन पर अपने "हाथ" से विजय बटन दबाते हुए नाम कुछ इस प्रकार सुझाए "गई झाड़ू काम से", "आप हमारे आंदोलन हैं", "भागो मफलर आया", "कभी जेल कभी बेल", "कभी झाड़ू कभी फर्जीवाड़ा", "जादूगर फर्जी वाल", "भाग उठा मफलर वाला", "यह मफलर वाला कौन", "सत्ताविस साल बाद फूल खिला", "तिनका तिनका झाड़ू", "आप तो हार गए", "केजरी तेरे कितने झूठ", "आया फूल उड़के", "झाड़ू तेरे झूठ हजार" डॉन मनमोहन बा ने फिल्मी नाम सुनते ही कोरोना काल में बनी वैक्सीन की तरह उछलते हुए या कुछ इस तरह से कहा कि, इंजेक्शन लगवाते हुए आदमी अपनी खुशी का इजहार करने लगे और उन्होंने मुझसे कहा" अरे साहित्यकार बाबू तुम क्या जानो इन फिल्मी नामो की कीमत" मैंने गहरी सांस लेते हुए कहा अपने भाव दशा का वर्णन करते हुए कहा "आप" के माध्यम से यह एक अद्भुत फिल्म बनने वाली है मैं "आप को" अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं मुझे मतदाता की तरह याद रखना किसी नेता की तरह भूल मत जाना इस फिल्म के प्रीमीयम में एक मेरा कोना भी निश्चित कर देना।

भाईजान आप तो चुनाव हार गए? कैसे हार गए? क्यों हार गए ? इस विषय पर चिंतन, मनन, अध्ययन होता रहेगा लेकिन, एक बात कहूं आपने चुनाव जीतने के लिए क्या-क्या नहीं किया बल्कि यह बताए आपने क्या-क्या किया। यहां तक कि आपने उनको (मतदाता) सब कुछ देने में कोई और कसर बाकी नहीं छोड़ी फिर भी आप के चतुर सिंग दादा के साथ आप सारे हारे कैसे यह मेरे भी समझ में नहीं आया लगता है आजकल मतदाता बहुत समझदार, होशियार हो कर अपने मन की बात किसी को बताता नहीं चाहता है बस ऊंगली का चमत्कार दिखाता है। आप सभी तो हर आपदा, समस्या को निपटाने और कई मूलभूत जरूरतों, आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए सदैव पन्ना के पूर्ण "विश्वास" के साथ संघर्षरत नजर आ रहे थे फिर भी आप उसी हिरा पन्ना जैसे विश्वास की कमी के कारण हार गए। लगता है दिल्ली के दिलदार और हर समझदार नागरिक ने अपनी उंगली का बल दिखाते हुए, टेंशन दे कर सुकून की नींद सो गया और इधर मैं यह सोचता रहा कि, यह अचानक से सत्येन्द्र भाई केजरी नंदन को क्या हो गया? राजनीति में झाड़ू कहां खो गया हे प्रभु हे हरि राम कृष्ण जाग्नाथम प्रेमा नंदी यह क्या हो गया? इस चुनाव में बड़े बड़े नेता रूपए की तरह कैसे कैसे लुड़क गएं।

प्रकाश हेमावत
टाटा नगर रतलाम